RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

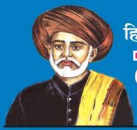

हिन्दी मासिक

# माली सैनी सन्देश

जोधपुर

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

वर्ष : 15 अंक : 177 28 मार्च, 2020 मूल्य : 20/-

## हार्दिक बधाई

**श्रीमान देवेन्द्र कछवाहा**

सुपुत्र स्व. श्री बंशीलाल कच्छवाहा
को राजस्थान हाईकोर्ट के जज बननें

**सुश्री कविता कुशवाहा**

सुपुत्री श्री मनोज सिंह कुशवाहा नवादा
को पटना हाईकोर्ट के जज बननें

पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

हमें आश ही नहीं पूर्ण विश्वास है, आप न्याय के मंदिर में निष्पक्षता से न्याय कर देश व समाज को गौरवान्वित करेंगें।

# मुख्यमंत्री ने किया सेठ भीकमदास व जगदीश सिंह परिहार की प्रतिमा का अनावरण

जोधपुर। सेठ श्री भीकमदास परिहार शिक्षा सेवा सदन ट्रस्ट द्वारा संचालित माली समाज छात्रावास में खेल परिसर एवं जिम्नेजियम के लोकार्पण एवं मूर्ति अनावरण समारोह में श्री अशोक गहलोत ने कहा कि गांव ढाणियों में प्रतिभाएं मौजूद हैं, जिनको आगे लाने का काम समाज का है। युवा प्रतिभाओं को पहचानने और आगे लाने का काम करने वाले सेवाभावी महापुरुषों के योगदान को समाज हमेश याद करता है और नई पीढ़ी उनसे प्रेरणा लेती हैं। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय भीकमदास परिहार और स्वर्गीय जगदीश सिंह परिहार के समाजसेवा के लिए किए गए कार्यों को याद करते हुए कहा कि ऐसे महापुरुष हम सब के लिए प्रेरणापुंज हैं।

**ज्योतिबा और सावित्री बाई फुले ने शिक्षा की अलख जगाई थी**

गहलोत ने कहा कि डेढ़ सौ साल पहले देश की पिछड़ी जातियों और गरीब तबकों के बीच महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई फुले ने शिक्षा की अलख जगाई थी। उसी प्रकार भीकमदास और उनके सुपुत्र जगदीश सिंह परिहार ने भी जीवन भर मारवाड़ क्षेत्र में शिक्षा को बढ़ावा देने और सर्व समाज को जोड़ने का काम किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने छात्रावास में खेल परिसर एवं जिम्नेजियम का लोकार्पण किया।

भीकमदास परिहार और स्वर्गीय जगदीश सिंह परिहार की प्रतिमाओं का अनावरण किया। कार्यक्रम में संस्थान के अध्यक्ष विजेंद्र सिंह परिहार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। प्रो. एचएस टाक ने दोनों समाजसेवियों का जीवन परिचय प्रस्तुत किया। समारोह के संयोजक सुनील परिहार ने शिक्षा सदन की गतिविधियों की जानकारी दी। सभा में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री रघु शर्मा, शहर विधायक मनीषा पंवार, राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष संगीता बेनीवाल, विधायक हीराराम मेघवाल, विधायक महेंद्र विश्नोई, आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत, राजस्थान के प्रभारी अविनाश पांडे भी मौजूद थे।

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831 Postal Regd No. Jodhpur/463/2017-19

# माली सैनी सन्देश

● वर्ष : 15 ● अंक 177 ● 28 मार्च, 2020(संयुक्तांक)● ● मूल्य : 20/- प्रति ●

## माली सैनी संदेश पत्रिका के सम्मानीय माननीय संरक्षक सदस्यगण

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
( अध्यक्ष, ठेकेदार ऐसोसियेशन, नगर निगम जोधपुर )

श्रीमान लक्ष्मण सिंह सांखला
( समाजसेवी/भामाशाह )

श्रीमान मोहनसिंह सोलंकी
( उद्योगपति/समाजसेवी )

श्रीमान नरपतसिंह सांखला
( बिल्डर्स/समाजसेवी )

श्रीमान पुखराज सांखला
( अध्यक्ष, माली संस्थान, जोधपुर )

श्रीमान प्रदीप कच्छवाहा
( उद्योगपति )

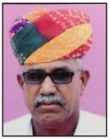

श्रीमान नेमीचंद गहलोत
( उद्योगपति/भामाशाह )

श्रीमान भगवानसिंह गहलोत
( उद्योगपति/भामाशाह )

श्रीमान ब्रह्मसिंह चौहान
( जिला उपाध्यक्ष, भाजपा, जोधपुर )

श्रीमान युधिष्ठर सिंह परिहार
( व्यवसायी/समाजसेवी )

श्रीमान (डॉ.) सुरेन्द्र देवड़ा
( हृदय रोग विशेषज्ञ, एम्स )

श्रीमान सुरेश सैनी
( समाजसेवी )

श्रीमान इंद्रसिंह सांखला
( समाजसेवी )

श्रीमान संपतसिंह कच्छवाहा
( शिक्षाविद्/ समाजसेवी )

श्रीमान नरेश सांखला
( कॉन्ट्रेक्टर/समाजसेवी )

# सम्पादक की कलम से ...

## समाज संगठन में पत्रिका का सहयोग....

हिंदु संस्कृति अत्यन्त विलक्षण है। हिन्दु संस्कृति में चार वर्ण है। प्रत्येक वर्ण में कई जाति समाज है। प्रत्येक समाज के निर्माता क्रान्तदर्शी ऋषि मुनि हुए है, जिन्होंने जाति समाज के अनुसार सभी को मर्यादित एवं सुसंस्कृत करने का संदेश दिया है। परंतु जो मनुष्य समाज की विधि को छोड़क अपनी इच्छा अनुसार मनमाना आचरण करता है वह न सिद्धि को, न सुखशान्ति को और न परमगति को ही प्राप्त करता है। ऐसा गीता में वर्णन है।

वर्तमान समय में उचित शिक्षा, वातावरण आदि का अभाव होने से, महात्मा फूले के आदर्शो के अनुसार क्या करना चाहिये और क्या नहीं करना चाहिये ? इसे कुछ नई पीढ़ी के लोग जानते भी नहीं और जानना भी नहीं चाहते। जो बुजुर्ग एवं वरिष्ठ समाजजन उन्हें सामाजिक आचार-विचार, व्यवहार बताते है तो उनकी बात न मानकर अपना अस्तित्व अलग बनाकर समाज को कमजोर और छोटे आकार का बनना चाहते है। ऐसा मनमाना आचरण करने से समाज में विघटन की स्थिति पैदा होती है और रिश्तेदारियों में भी तनाव व मनमुटाव पैदा हो रहा है जिससे समाज कमजोर होता है, जो कभी विकास के पथ पर आगे नहीं बढ़ पाता।

माली सैनी संदेश पत्रिका समाज की नव चेतना का आधार है। संपूर्ण समाज को एक सूत्र में पिरोने वाली यह पत्रिका मानस पटल को गौरवान्वित एवं मार्ग प्रशस्त करने वाली सफलता पूर्वक अपने प्रकाशन से समाज को एक नई दिशा एवं नये आयाम एवं विचार विमर्श प्रदान करने में सहायक सिद्ध हो रही है।

समाज के सभी वर्गों के सहयोग से पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। समाज के अनेकों संस्थाओं द्वारा समय समय पर समाज हितार्थ कार्य किये जा रहे है। समाज में राजनिति के क्षेत्र में भी जागरूकता आई है लेकिन हमारी जनसंख्या के अनुरूप यह बहुत कम है। कुछ स्वार्थी समाज पदाधिकारियों के कारण समाज में एकजुटता नहीं हो पा रही है हमारा प्रयास जनजागरण से समाज में एकजुटता लाना है तथा समाज को नई उंचाईयों तक पहुंचाना है। यह तभी सफल होगा जब हम सब मिलकर इस और कार्य करें।समाज को नवस्वरूप प्रदान करने में, जन-जन तक पत्रिका को पहुंचाने के लिए पत्रिका परिवार लगा हुआ है। वर्तमान समय में समाज की राष्ट्रीय धरोहर पत्रिका बनकर हमारे समाज का प्रतिनिधित्व कर रही है।

समाज की विभिन्न गतिविधियां सामुहिक विवाह, समाज उत्तीन, युवक-युवति परिचय सम्मेलन, शिक्षा संबधी नवीन जानकारियाँ जन-जन तक पहुंचाने का दायित्व निभा रही हैं । माली सैनी संदेश समाज को पुष्ट करने के लिए एक मजबूत संगठन बनाने की प्रेरणा, उसे आगे बढ़ने की भावना एवं समाजहित में रचनात्मक कार्य करने की सजगता आत्मविश्वास, एक दूसरे के प्रति प्रेम, समर्पण व एक सूत्र में पिराने का कार्य कर रही है और इसे विज्ञान के युग में माली सैनी समाज की प्रथम ई-पत्रिका का भी गौरव हमें प्राप्त हुआ है। जिसके लिए हम आपके आभारी है।

**www.malisainisandesh.com www.mahatmajyotirao.org**

**www.malisaini.org**

मनीष गहलोत

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ संपादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रसंगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

# श्री देवेन्द्र कच्छवाहा बनें राजस्थान हाईकोर्ट के जज

जोधपुर। भारत के राष्ट्रपति माननीय श्री रामनाथ कोविंद ने हाईकोर्ट में खाली पड़े जजों की रिक्तियों पर आदेश निकाला। राजस्थान हाईकोर्ट में 6 जजों की नियुक्ति की गई, जिसमें समाज के श्री देवेन्द्र कच्छवाहा जो कि वर्तमान में बालोतरा के जिला न्यायाधीश पर पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। हमारे समाज के लिए गौरव का विषय है इससे पूर्व जस्टिस स्वर्गीय श्रीमान कानसिंह परिहार पहले हाइकोर्ट जज बने थे। उसके पश्चात जस्टिस श्रीमान अशोक परिहार ने यह गौरव प्राप्त किया था जस्टिस देवेंद्र जी कच्छवाह समाज से तीसरे हाईकोर्ट जज है जिन्होंने अपनी कार्य कुशलता, सत्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं उत्कृष्ट न्यायिक निर्णयों से यह उपलब्धि प्राप्त की है।

**संक्षिप्त जीवन परिचय :**

आदरणीय श्री देवेंद्र कच्छवाहा का जन्म 3-5-1960 को प्रसिद्ध अधिवक्ता एवं फुटबॉल खिलाड़ी स्वर्गीय श्रीमान बंशीलाल कच्छवाहा निवासी चौका चांद पोल जोधपुर के घर छोटे बेटे एवं तीसरी संतान के रूप में हुआ था। आपकी माताजी श्रीमति विद्यावती किसान कन्या पाठशाला नागोरी बेरा व बाल विद्या पीठ पुत्री पाठशाला सूरसागर में अध्यापिका रही थी।

आपने स्कुल शिक्षा राजकीय नवीन उच्च माध्यमिक विद्यालय जोधपुर से करने के बाद बी. ए. और एल. एल. बी. जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर से की।

वर्ष 1995 में राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जोधपुर का जनरल सैक्रेटरी बनने के बाद वर्ष 2001 में सीधे राजस्थान उच्च न्यायिक सेवा में चयन हुआ इस बीच नगर निगम, नगर विकास न्यास और खनन विभाग के भी आप अधिवक्ता रहे।

भीलवाड़ा, कोटा, उदयपुर, सवाई माधोपुर और बालोतरा के जिला न्यायाधीश पद पर आपने सेवाएं दी। आप रजिस्ट्रार एडमिनिस्ट्रेशन, राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर तथा राजस्थान न्यायिक सेवा अकादमी के निदेशक रहते हुए आपने अपनी ईमानदारी कार्यशैली और उत्कृष्ट निर्णयों से अनेकों आयाम स्थापित किये। श्री देवेन्द्र कच्छवाहा के हाईकोर्ट जज बनने पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा बधाईयां प्रेषित की गई। साधारण, सरल परिवार से हाईकोर्ट जज बनने तक का सफर में श्री देवेन्द्र कच्छवाहा ने सादे सरल जीवन शैली के साथ, हंसमुख स्वभाव एवं न्याय के लिए जाने जाते है। उनके हाईकोर्ट जज बननें पर समाज के साथ साथ जोधपुर को भी गौरवान्वित किया है हम सभी को आप पर गर्व है।

# द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता एथलेटिक्स कोच सैनी का 92 वर्ष की उम्र में निधन

नई दिल्ली। भारत के अनुभवी एथलेटिक्स कोच और द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता जोगिंदर सिंह सैनी का 92 वर्ष की उम्र में रविवार को निधन हो गया। देश को ट्रैक एवं फिल्ड के क्षेत्र में कई स्टार खिलाड़ी देने वाले सैनी पिछले कुछ समय से बढ़ती उम्र से संबंधित परेशानियों से जूझ रहे थे। सैनी को भारत के कुछ प्रतिष्ठित ट्रैक एवं फील्ड खिलाड़ियों को निखारने का श्रेय जाता है। वह 1970 से 1990 के दशक के बीच कई वर्षो तक राष्ट्रीय एथलेटिक्स टीम के मुख्य कोच रहें। उनके निधन पर एएफआई अध्यक्ष आदिले सुमारिवाला ने कहा मुझे अपने साथी, अपने मुख्य कोच और मेंटर जे. एस. सैनी के निधन की खबर सुनकर बेहद दुख हुआ। उन्होंने अपने संदेश में कहा ''उन्हें एथलेटिक्स से प्यार था और अपने अंतिम दिन तक उन्होंने भारतीय एथलेटिक्स महासंघ को योगदान दिया। वह मेरे मित्र और मार्गदर्शक थे और अपनी सलाह से एएफआई अध्यक्ष की मेरी भूमिका में उन्होंने काफी मदद की।''

पंजाब के होशियारपुर जिले में एक जनवरी 1930 को जन्में सैनी 1954 में एथलेटिक्स कोच बने। वह 1990 में तत्कालीन भारतीय एमेच्योर एथलेटिक्स महासंघ के मुख्य कोच बने। भारतीय एथलेटिक्स में योगदान के लिए सैनी को 1997 में द्रोणाचार्य पुरस्कार से नवाजा गया। वह 1978एशियाई खेलों में आठ स्वर्ण सहित 18 पदक जीतने वाली भारतीय टीम के मुख्य कोच थे।

नागौर के इतिहास में हुई अभूतपूर्व भव्य बारात निकासी

# भव्य व दिव्यता के कारण रोमांचकारी बनी समाज की 94 जोड़ों की सामूहिक बारात

नागौर। सैनिक क्षत्रिय माली संस्थान, नागौर के तत्वावधान में द्वितीय सामूहिक विवाह उमंग व उत्साह के साथ संपन्न हुआ। 40,000 से अधिक समाज बंधुओं की उपस्थिति में तथा सामाजिक कार्यकर्ता इंद्रकुमार शर्मा व पंडित सुनील दाधीच के मार्गदर्शन में विधि विधान से पाणिग्रहण संस्कार संपन्न हुआ। 94 जोड़ों का यह सामूहिक विवाह माली संस्थान, हनुमान बाग चेनार रोड से एक साथ 94 दूल्हों की निकासी के साथ प्रारंभ हुआ जो राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चेनार के समीप स्थित सामूहिक विवाह स्थल में पहुंचा।

रास्ते में पंवारा का बास, बड़की बस्ती, जगावता बास नागरिकों के द्वारा भारी मात्रा में पुष्प वर्षा करके बारात का स्वागत किया गया। संत लिखमीदास जी महाराज की जय के गगनभेदी उद्घोष के साथ प्रारंभ हुई इस बारात में कार्यकर्ताओं व बारातियों का उत्साह चरम पर था। बारात में 6 बैंड व 6 बग्गी के साथ सभी 94 दूल्हे घोड़ी पर विराजमान थे।

इस अवसर पर पहली बार सैनिक क्षत्रिय माली संस्थान नागौर का ध्वज समाज अध्यक्ष रामस्वरूप पंवार द्वारा ग्रहण करके बारात के पूर्व भाग में रखा गया। इस अवसर पर पंवार परिवार द्वारा सभी बारातियों के परिजनों के निमित्त भोजन प्रसाद की व्यवस्था की गई।

माली सैनी समाज के कार्यकर्ता बालकिशन भाटी के अनुसार इस अवसर पर संत शिरोमणि श्री लिखमीदास जी महाराज स्मारक विकास संस्थान के उपाध्यक्ष मोती बाबा सांखला, महासचिव राधाकिशन तंवर, कोषाध्यक्ष कमल भाटी, नागौर अर्बन कोऑपरेटिव बैंक के चेयरमैन जीवनमल भाटी, आईदानराम भाटी, नथमल गहलोत, पाराम गहलोत, खींवसिंह सोलंकी, फूलचंद टाक, डीडवाना के रामगोपाल तुनवाल, विजय टाक, मेड़ता से रामस्वरूप टाक व ताराचन्द मारोठिया, भोपालगढ़ से कालूराम व हेमसिंह सोलंकी, महेन्द्र सोलंकी, कुचेरा से इंद्रजीत टाक, पोकरण के हंसराज माली तथा डॉ. शंकरलाल परिहार, रामपाल सांखला, नथमल गहलोत, पाराम गहलोत, खींवसिंह सोलंकी, ह्यूमनिटी फ्रेंड्स ग्रुप हैदराबाद के भंवरसिंह भाटी, माली महिला संगठन हैदराबाद की अध्यक्षा अनुराधा सोलंकी, उपाध्यक्ष संतोष टाक सहित गणमान्य प्रतिनिधि इस अवसर पर वर वधू को आशीर्वाद देने के निमित्त उपस्थित थे।

कार्यक्रम में उपाध्यक्ष रामजस भाटी, सहसचिव देवकिशन भाटी, टीकमचंद कच्छावा, मांगीलाल गहलोत, राधेश्याम टाक, रूपचन्द टाक, सुरेश सोलंकी, सुरेन्द्र सोलंकी, जयशंकर भाटी, नरेंद्र पंवार, बृजमोहन भाटी, श्रवणकुमार भाटी, बलदेव कच्छावा, धर्मेंद्र सोलंकी, जयप्रकाश, ताराचन्द सांखला, प्रेमकुमार भाटी, अनिल परिहार, लाडनू से ताराचंद टाक सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने सम्मेलन को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

इसे सफल बनाने के लिए पीपाड़, भोपालगढ़, बुटाटी, कुचेरा, मेड़ता, डीडवाना, जोधपुर, पाली, सोयला, बावड़ी, खींवसर, खाटू के बंधु अपने अपने संगठन के बैनर तले पहुंचे तथा भोजन प्रसादी वितरण में सहयोग प्रदान किया। संस्थान के सचिव रामकुमार सोलंकी, सदस्य राजेन्द्र पंवार, रामेश्वर पंवार, अर्जुन राम, रामपाल कच्छावा, रमेश सोलंकी, कालूराम सोलंकी ने अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम का प्लास्टिक मुक्त इस कार्यक्रम में प्लास्टिक गिलास का बिल्कुल प्रयोग नहीं किया गया। पेयजल के निमित्त प्लास्टिक का प्रयोग नहीं

कर के समाज द्वारा विशेष रूप से प्लास्टिक मुक्त कार्यक्रम में सहयोग दिया गया कार्यक्रम में हेल्प फ्रेंड ग्रुप द्वारा स्वेच्छा से जूठे बर्तन एकत्र करके निर्धारित स्थान पर पहुंचाने का कार्य स्वैच्छिक रूप से संपन्न कर स्वच्छता अभियान के निमित्त पर संदेश दिया। कार्यक्रम में भोपालगढ़ माली समाज द्वारा इस कार्यक्रम के निमित्त एक लाख इक्यावन हजार की राशि व्यवस्था सहयोग के निमित्त प्रदान की गई । कार्यक्रम में भामाशाह द्वारा सभी 94 ओवरों को हेलमेट प्रदान करके सड़क सुरक्षा का संदेश दिया गया। साथ ही वर-वधू को पवित्र तुलसी पौधा प्रदान करके पर्यावरण संरक्षण के निमित्त कार्य करने का निवेदन किया।

वर-वधु के 94 जोड़ों में से 70 जोड़ें माली संस्थान नागौर के परिक्षेत्र के तथा शेष जायल, खाटू, डीडवाना, मकराना, मेड़ता, भोपाल, पीपाड़, बीकानेर, जोधपुर परिक्षेत्र के निवासी वर-वधू भी शामिल थे। इससे पूर्व शनिवार 8 फरवरी को धार्मिक विधि-विधान के साथ घृतपान विनायक कार्यक्रम संपन्न हुआ।

माली संस्थान परिसर हनुमान बाग चेनार रोड में आयोजित इस कार्यक्रम में 94 जोड़ों द्वारा घृतपान किया गया। बाद में विनायक पूजन संपन्न हुआ। पंडित इंद्रकुमार शर्मा ने इस अवसर पर भारतीय सांस्तिक व धार्मिक पद्धति में विवाह संस्कार का महत्त्व बताते हुए सभी वर-वधू व परिजनों से इसे श्रेष्ठ भाव से ग्रहण करने का आव्हान किया। इस अवसर पर पंवार परिवार द्वारा सामूहिक विवाह में आए सभी समाज बंधुओं के लिए भोजन प्रसादी, चाय व अल्पाहार का प्रबंध किया गया। इस कार्यक्रम में नागौर विधायक मोहनराम चौधरी, पूर्व विधायक हबीबुर्रहमान, माली समाज अध्यक्ष हैदराबाद रामपाल देवड़ा, नागौर के पूर्व अध्यक्ष पाराम देवड़ा, भंवरलाल सांखला, जीवनमल भाटी, बिरदीचन्द सांखला, नगर परिषद सभापति मांगीलाल भाटी भी शामिल हुए। इस अवसर पर संस्थान अध्यक्ष रामस्वरूप पंवार, उपाध्यक्ष रामजस भाटी, सचिव रामकुमार सोलंकी, सह सचिव देवकिशन भाटी सहित कार्यकारिणी के सदस्य अर्जुनराम कच्छवाह, राजेन्द्र पंवार, मुरारी सांखला, नेमीचन्द टाक, रामकिशोर सोलंकी, देवकिशन सोलंकी, रामेश्वर लाल पंवार, कालूराम सोलंकी तथा टीकमचंद कच्छवाह, मांगीलाल गहलोत, राधेश्याम टाक, सुरेन्द्र सोलंकी, खींवराज टाक सहित अनेक समाजबन्धु उपस्थित थे। कार्यक्रम में मेड़ता, भोपालगढ़, पीपाड़, जायल, डेगाना, कुचेरा मूंडवा सहित अनेक स्थानों की मातृशक्ति भी सहभागी बनीं।

समाजबन्धु बने आवास व्यवस्था के भामाशाह इस द्वित्तीय सामूहिक विवाह में समाज के रामसिंह सोलंकी, नरेंद्र गहलोत, कालूराम सांखला, मुकेश भाटी, चेनाराम सांखला, रामस्वरूप भाटी, प्रवीण सोलंकी, पापालाल सांखला, रामस्वरूप सोलंकी, पवन कच्छावाह, पुखराज कच्छावाह द्वारा बाहर से पधारे समाज बंधुओं के निमित्त नि:शुल्क होटल व रेस्टोरेंट की सुविधा प्रदान की गई।

माली सैनी समाज के बालकिशन के अनुसार इस कार्यक्रम के निमित्त माली समाज महिला संगठन हैदराबाद, तेलगांना महिला संगठन की अध्यक्षा अनुराधा सोलंकी, उपाध्यक्ष संतोष टाक के मार्गदर्शन में विवाह से संबंधित कार्य में सहयोग किया गया। इसमें चंद्रकला देवड़ा, सुमन गहलोत, मंजू भाटी, पप्पी बाई सांखला, उगीबाई भाटी, तारा सांखला, बासू कच्छवाह, चंपा, कमला, राजु, मोनिका गहलोत, भावना गहलोत शामिल है।

संगठन द्वारा चंवरी, थंब, पूजन सामग्री व पूजन थाल, दीपक व्यवस्था आदि धार्मिक विधि-विधान से संबंधित कार्य व व्यवस्था की गई। इस विवाह समारोह को पूरे देश भर में व्यापक रूप से प्रसारित करने व जानकारी देने की दृष्टि से 10 गुणा 20 फुट की विशाल एलईडी दी कार्यक्रम स्थल पर लगाई गई तथा सीधा प्रसारण भी किया गया ।

शनिवार 8 फरवरी को सांय 6 से माली सैनी समाज के विभिन्न स्थानों पर होने वाले गैर द्ध डांडिया ऋ नृत्य की परंपरा को सामूहिक विवाह में भी जारी रखा गया ताकि सामूहिक विवाह में अपनी लोक सांस्तिक परंपरा को अक्षुण्ण बनाए रखा जा सके। इस कार्यक्रम में नागौर माली समाज के परिक्षेत्र के निवासियों तथा पीपाड़ के बंधुओं द्वारा ढ़ोल व चिरमी की थाप पर डांडिया नाच प्रस्तुत किया गया जो रात्रि 9 बजे तक जारी रहा। इस कार्यक्रम में भींवराज देवड़ा, मोहनसिंह भाटी फोरमेन गणपतराम भाटी, मगाराम कच्छावा, बंशीलाल भाटी, ताराचन्द टाक ने ढ़ोल व चिरमी बजाकर सहयोग किया।

जोधपुर माली सैनी समाज के गुरुकुल के तत्वावधान में चलने वाले आई. ए. एस. व तथा आर.ए. एस. कोचिंग में सेवा प्रदान करने वाले व मार्गदर्शक मुकेश भाटी व पदाधिकारियों द्वारा पीपाड़ के समाजबन्धु का भाव भीना स्वागत किया गया।

संस्थान तीनों गांव, नागौर के तत्वावधान में शुक्रवार 7 फरवरी को विशाल द्वितीय सामूहिक विवाह के निमित्त भामाशाहों का सम्मान समारोह आयोजित हुआ।

माली संस्थान हनुमान बाग चेनार रोड भवन के विशाल कक्ष में आयोजित यह कार्यक्रम संत शिरोमणि श्री लिखमीदास जी महाराज स्मारक विकास संस्थान अमरपुरा, नागौर के अध्यक्ष व पूर्व मंत्री राजेंद्र गहलोत के मुख्य आतिथ्य तथा नागौर माली समाज अध्यक्ष रामस्वरूप पंवार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ वहीं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि नागौर अर्बन को- अश्वपरेटिव बैंक के अध्यक्ष जीवनमल भाटी, पंडित मोहनलाल सोलंकी, पूर्व उपप्रधान आईदानराम भाटी, भंवर लाल सांखला नेताजी, मोहब्बत राम पंवार, डश्व शंकरलाल परिहार, राधाकिशन तंवर थे। इस अवसर पर माली समाज नागौर के तत्वावधान में नवनिर्मित छात्रावास भवन के भामाशाहों , स्वास्थ्य व चिकित्सा प्रकल्प में सहयोग करने वाले समाज बंधु व प्रथम व द्वितीय सामूहिक विवाह में सामग्री प्रदाता बंधुओं के साथ साथ अन्य विशिष्ट सहयोग करने वाले बंधुओं का भी सम्मान किया गया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में गहलोत ने कहा कि नागौर माली समाज द्वारा सामाजिक व शैक्षिक गतिविधियों के संबंध में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है जिसकी छाप पूरे देश भर में है। देश भर का संपूर्ण माली सैनी समाज नागौर माली समाज की गतिविधियों को एक प्रेरणा के रूप में देखता है।

उन्होंने नागौर माली समाज को इस कार्यक्रम के निमित्त शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए और भी शैक्षिक, सामाजिक सुधार के कार्यो को तीव्रता के साथ करने का आव्हान किया। कार्यक्रम में शिक्षक बजरंग लाल सांखला ने निशुल्क कोचिंग के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन बालकिशन ने किया। कार्यक्रम में प्रथम सामूहिक विवाह के 55 भामाशाह, द्वितीय सामूहिक विवाह के ७द्र भामाशाह, छात्रावास निर्माण के 56 भामाशाह तथा चिकित्सा व बान सहयोग के क्रमश: 15 व 36 भामाशाओं को सम्मानित किया। इसमें यूनिटी फ्रेंड्स ग्रुप हैदराबाद, माली महिला संगठन हैदराबाद तेलंगाना की मातृशक्ति के साथ-साथ पापालाल भाटी, पन्नालाल भाटी, पदमाराम पंवार, कुशालचंद कच्छावाह, पाराम गहलोत, रामपाल कच्छावाह,

रामबगस सांखला, बलदेव कच्छावा, सुरेश टाक, रामेश्वर पंवार, राजेंद्र पंवार, रामदयाल भाटी , गंगाविशन सांखला, जोधाराम कच्छावाह, मिश्रीलाल सांखला , छोटमल सोलंकी, पेमाराम भाटी, हीरालाल सांखला, गंगाराम, रामपाल भाटी, भंवरलाल पंवार, पारसमल, बजरंग देवड़ा, लादूराम कच्छावा, कमल भाटी, रामकुमार सोलंकी, कानाराम सांखला सहित अनेक समाज बंधुओं का अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर रमेश सोलंकी, जीतमल पंवार, इंदरचंद कच्छावाह, धर्मेंद्र सोलंकी, टीकमचंद कच्छावाह, राधेश्याम टाक, मांगीलाल गहलोत, रूपचंद टाक, ओमप्रकाश सोलंकी, सुरेंद्र सोलंकी, सुरेश टाक सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कार्यक्रम स्थल पर माली सैनी समाज नागौर की 350 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक कड़ाइयां दर्शन के निमित्त रखी गई। इसमें भादो ( भादवा माह के नाम के आधार पर) नाम की कढ़ाई में 20 से 25 मण की सामग्री से सीरा (हलवा), लापसी बनाई जाती थी और सावण नाम की कड़ाई में दाल या कढ़ी (खाटा) बनाई जाती थी। आजकल इनका प्रयोग नहीं किया जा रहा है। कार्यक्रम में सांखला कलर लेब, हनुमान बाग द्वारा घृतपान व डांडिया नाच के सीधे प्रसारण की व्यवस्था की गई तथा कार्यक्रम स्थल पर 10 गुणा 20 फुट की एल ई डी भी समाजबन्धु को देखने की सुविधा के निमित्त लगाई गई। इसमें कानाराम सांखला व फूलचन्द सांखला का सहयोग प्रशंसनीय रहा।

# माली (सैनी) समाज संस्था, जयपुर के तत्वावधान में आयोजित 27वें सामुहिक विवाह सम्मेलन में 18 जोड़ों का विवाह सम्पन्न हुआ




जयपुर। माली ॿसैनीॠ समाज संस्था, जयपुर के तत्वावधान में आयोजित 27वें सामुहिक विवाह सम्मेलन में 18 जोड़ों का धूमधाम से संपन्न हुआ। सम्मेलन में मुख्य अतिथि श्री सतीश पूनिया प्रदेशाध्यक्ष भाजपा एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व षि मंत्री श्री प्रभु लाल सैनी, पूर्व मंत्री श्री अरुण चतुर्वेदी, जयपुर के सांसद श्री राम चरण बोहरा, राजस्थान युवा बोर्ड के अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सैनी थे। उपरोक्त सभी अतिथियों ने वर-वधुओं को आशीर्वाद देते हुए सभी नव दम्पत्तियों को भावी सफल व सुखी गृहस्थ जीवन के लिये शुभकामनाएं दी तथा वर्तमान समय में सामुहिक विवाह सम्मेलनों को समाज में व्याप्त कुरीतियों, फिजूलखर्ची व बाल विवाह रोकने का सही कदम बताया।

श्री प्रभु लाल सैनी ने नव दम्पतियों को गर्भावस्था में लिंग परीक्षण नहीं कराने व कन्या भ्रुणहत्या नहीं करने की शपथ दिलाई, साथ ही सभी नव दम्पत्तियों को स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने की प्रतिज्ञा भी करवाई। सैनी ने कहा कि सामुहिक विवाह समाज के भागीरथ बंधुओ द्वारा समाज हित में एक सार्थक सोच व अंगद कदम हैं। सामूहिक विवाह मात्र एक विवाह का आयोजन भर नहीं हैं अपितु इसके प्रभाव व समाज हित में लाभ बड़े दूरगामी हैं। किसी कमजोर, जरूरतमंद या असहाय परिवार की कन्या का विवाह करानें से बढ़कर कोई अन्य पुनीत कार्य नहीं है। आज के सामाजिक समारोह में समाज बंधुओं द्वारा मिले प्यार और अभूतपूर्व स्वागत के लिए सभी का तह दिल से आभार व्यक्त करता हूं, साथ ही सम्मेलन में जो युगल आज अपने जीवन की नई शुरुआत कर रहे हैं, उन्हें हार्दिक बधाई एवं ढेरों शुभकामनाएं।

सम्मेलन में प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रदेश मीडिया चौयरपर्सन डॉ. अर्चना शर्मा, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ओबीसी विभाग) के प्रदेश संयोजक श्री राजेन्द्र सैन, भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री अशोक सैनी (भादरा) भी विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मलित हो कर नवदम्पत्तियों को आशीर्वाद दिया।

सामुहिक विवाह सम्मेलन में शिक्षा के महत्व को समझाते हुए श्री राम चरण बोहरा ने जयपुर जिला माली (सैनी) समाज संस्था को राज्य सरकार द्वारा सांगानेर- सायपुरा संस्थानिक क्षेत्र में आवंटित 4000 वर्ग मीटर के भूखण्ड पर निर्माणाधिन बहुउद्देश्यीय भवन में छात्रावास के लिए सांसद कोटे से 31लाख रुपये की राशि प्रदान करने की घोषणा की, जिसके लिए संस्था अध्यक्ष रोशन सैनी ने आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया।

सामुहिक विवाह सम्मेलन के संयोजक ओम राजोरिया व संस्था अध्यक्ष रोशन सैनी ने सम्मेलन में पधारने वाले मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों, विशेष आमंत्रित सभी पूर्व एवं निवर्तमान पार्षदगणों, राजपत्रित अधिकारियों, भामाशाहों, दान दाताओं व कार्यक्रम में तन-मन धन से सहयोग करने वाले समाजसेवी कार्यकर्ताओं का मंच पर माला पहनाकर, शाल ओढाकर व स्मृतिचिन्ह दे कर सम्मान किया तथा सम्मेलन में पधारे सभी अतिथियों, समाज के गणमान्य व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया।

संस्था के महामंत्री शान्ति कुमार सैनी, सचिव सुरेश सैनी व संगठन सचिव नवल किशोर सैनी ने संयुक्त रूप से बारी बारी से मंच संचालन किया ।

सामूहिक विवाह समारोह समिति छह गांव मकराना, परबतसर, बोरावड़, बिदियाद, कालवा, बडू के तत्वावधान में

# 30 दूल्हों की घोड़ी पर दो कि.मी. बिंदोली निकाली भोजन में अन्न का दुरुपयोग नहीं करने का आग्रह

मकराना। माली (सैनी) समाज सामूहिक विवाह समारोह समिति छह गांव मकराना, परबतसर, बोरावड़, बिदियाद, कालवा, बडू के तत्वावधान में मंगलवार को माली समाज का 22वां सामूहिक विवाह सम्मेलन गांगवा रोड स्थित गहलोत पि फार्म पर हुआ। 30 जोड़ों ने अग्नि के समक्ष 7 फेरे लेकर नव दांपत्य जीवन की शुरूआत की।

पंडित विमल पारीक के सानिध्य में 40 पंडितों ने मंत्रोच्चार के साथ विवाह की सभी रस्में पूरी करवाई, 31 वें जोड़े के रूप में पुरातन परंपरा के अनुसार सालगराम व तुलसी का विवाह करवाया गया। पंडित पारीक ने फेरे होने के उपरांत वर व वधु को शपथ दिलाई कि वे अपनी संतानों को उच्च शिक्षित करेंगे एवं बेटा व बेटी में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं रखेंगे।

बारातों को शिव कॉलोनी स्थित तुलसी भवन में ठहराया गया जहां से सभी 30 दूल्हों को घोडियों पर बैठाकर उनकी बिंदोली निकाली गई। आयोजन समिति के अनुसार बिंदोली के जुलूस में दस हजार से अधिक लोग शामिल हुए।

**अन्न का दुरुपयोग नहीं करने का आग्रह :**

विवाह सम्मेलन में महिलाओं व पुरूषों के लिए अगल- अलग सामूहिक भोज की व्यवस्था की गई। अन्न का दुरूपयोग रोकने का संदेश देते हुए पांडाल में जगह- जगह पोस्टर व बैनर भी लगाए गए। सभी से आग्रह किया कि वे शादियों में ही नहीं अपितु घर पर भी थाली में उतना ही भोजन लें, भोजन को व्यर्थ नहीं गंवाएं।

**विवाहस्थल पर ही विवाहहुआ पंजीयन :**

नगर परिषद मकराना की ओर से विवाह स्थल पर ही वर व वधु के विवाह पंजीयन का कार्य किया गया। इसके लिए मंच के पास ही विशेष स्टश्वल लगाई गई। सम्मेलन में अरबन कोअश्वपरेटिव बैंक नागौर के निदेशक प्रवीण सोलंकी, अध्यक्ष लालूराम चौहान, रामस्वरूप पंवार, बादरराम सांखला, रामगोपाल तुंदवाल, नवरद्य सिंगोदिया, रामप्रसाद तंवर आदि ने सम्मेलन में ध्वजारोहण किया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक जाकिर हुसैन गैसावत, पूर्व विधायक श्रीराम भींचर, सभापति समरीन भाटी, उप सभापति अब्दुल सलाम भाटी, अजय भींचर, नवरतन टांक, लक्ष्मीनारायण सांखला, बाबूलाल सिंगोदिया, रामप्रसाद सैनी, लादूराम सिंगोदिया, महेन्द्र भाटी, राजेश भाटी, जयनारायण सोलंकी, रामस्वरूप सोलंकी, रामदीन सिंगोदिया, पूसाराम भाटी, सूरज गहलोत, गुलाब गहलोत, कालूराम गहलोत, कैलाश तुन्दवाल, मांगीलाल माली, सीताराम माली, रणजीत माली, रतन माली, मनोज माली, देवराज सोलंकी, तेजपाल बागड़ी, मनोज कच्छवा, धीरज इन्दौरा, गोरधन तंवर, रामबाबू सांखला सहित अनेक गांवों के माली समाज सहित विभिन्न समाज के लोगों ने सम्मेलन में पहुंचकर वर वधु को आशीर्वाद प्रदान किया।

आयोजन समिति के अनुसार सम्मेलन में 50 हजार से अधिक लोगों ने शामिल होकर वर व वधु को आशीर्वाद प्रदान किया।

# देश के नव निर्माण में सैनी समाज का विशेष योगदान – मनोहरलाल खट्टर

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि देश की आजादी के आंदोलन में और आजादी के बाद देश के नवनिर्माण में सैनी समाज का योगदान सराहनीय रहा है। सैनी समाज का इतिहास जितना गौरवशाली और महान है, उतना ही यह प्राचीन भी है और ;वेद में सैनी नामक वीर जाति का वर्णन मिलता है, उसी वंश में आगे चलकर महाराजा 'शूरसैनी' ने शूरसैनीगण की स्थापना की थी। इस समाज के लोग सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर अपनी महान परंपरा को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं।

इतना ही नहीं, सरकार इन महापुरुषों के पदचिन्हों पर चलकर सीएम यानी कश्मनमैन के लिए ही कार्य कर रही है। यह सरकार सता भोगने की बजाए समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए प्रयासरत है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल रविवार को थीम पार्क में सैनी समाज सभा द्वारा आयोजित पहले राज्यस्तरीय महाराजा शूरसैनी जयंती समारोह में बोल रहे थे।

इससे पहले मुख्यमंत्री मनोहर लाल, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बराला, सांसद नायब सिंह सैनी, कार्यक्रम के संयोजक एवं पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी, रादौर के विधायक डॉ. बिशन लाल सैनी, थानेसर विधायक सुभाष सुधा, शाहाबाद के विधायक रामकरण काला, पूर्व सांसद कैलाशो सैनी, पूर्व मंत्री हरी सिंह सैनी, बलबीर सैनी, अतर सिंह सैनी, पूर्व विधायक साहब सिंह सैनी, चेयरमैन डॉ. ;पिपाल सैनी, भाजपा के जिलाध्यक्ष धर्मवीर मिर्जापुर, जिला परिषद के चेयरमैन गुरदयाल सैनी, सैनी समाज सभा कुरुक्षेत्र के अध्यक्ष गुरनाम सिंह सैनी, आल इंडिया सैनी समाज दिल्ली के प्रधान दिलबाग सैनी व मार्केट कमेटी चेयरमैन सुरेश सैनी सहित अन्य समाज की मौजूदगी में सैनी समाज सभा द्वारा करीब एक करोड़ रुपए की लागत से निर्मित बहुमंजिला महात्मा ज्योतिबा फुले ब्लॉक का उदघाटन किया और सैनी समाज सभा द्वारा आयोजित पहले प्रदेश स्तरीय महाराजा शूरसैनी जयंती समारोह में महाराजा शूरसैनी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर शंखनाद की ध्वनि के बीच कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

समाज की इन मांगों को पूरा करने का दिया आश्वासन : सीएम ने कहा समाज की मांग अनुसार क्रिमीलेयर में सबसे पहले 25 हजार रुपए आय वाले लोगों को फायदा दिया जाएगा, इसके उपरांत 50 हजार रुपए तक की आय वाले को फायदा मिलेगा। इसके अलावा हुड्डा की शर्तों को पूरा करने पर सैनी समाज सभा को छात्रावास और पुस्तकालय के लिए एक प्लॉट दिलवाने के प्रयास का आश्वासन दिया। एससी और बीसी के बैकलश्वग को इसी साल भरने का आश्वासन भी सीएम ने दिया। इसके अलावा शर्तों का आंकलन करने के बाद सैनी पब्लिक स्कूल में नर्सिंग कॉलेज खोलने की हामी सीएम ने भरी। इससे पहले कार्यक्रम में पहुंचने पर सीएम मनोहर लाल का सैनी समाज सभा की तरफ से सांसद नायब सिंह सैनी, संयोजक पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी, प्रधान गुरनाम सिंह सैनी, जगदीश कटारिया, दिलबाग सिंह, डॉ. ;पिपाल सैनी, मार्केट कमेटी चेयरमैन सुरेश सैनी सहित समाज के अन्य गणमान्यों ने पगड़ी पहना और गद्दा भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बराला सहित अन्य मेहमानों को सभा ने स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया।

कुरुक्षेत्र सासद नायब सिंह सैनी ने कहा सैनी समाज सदियों से सत्यनिष्ठा और ईमानदारी के प्रतीक रहे हैं, यह समाज अपने पूर्वजों के पदचिन्हों पर चलकर मेहनत और ईमानदारी के साथ अपना काम कर रहा है और देश-प्रदेश के विकास में अपना अहम योगदान दे रहा है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल का सैनी समाज से विशेष स्नेह है, जिससे चलते ही सैनी समाज को सरकार में उचित स्थान दिया है।

पूर्व सांसद कैलाशो सैनी ने कहा कि सैनी समाज के लोगों ने हमेशा मेहनत की है और अपनी मेहनत से छोटे क्षेत्र में खेतीबाड़ी करके एक मुकाम हासिल किया है। रादौर के विधायक डॉ. बिशन लाल सैनी, कार्यक्रम संयोजक पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी ने मेहमानों का स्वागत किया। इस मौके पर भाजपा नेता धर्मवीर डागर, पूर्व विधायक रामकुमार सैनी, ईश्वर पलाका, देवेन्द्र शर्मा, पूर्व चेयरमैन जवाहर सैनी, कुशल पाल सैनी, कर्मवीर सैनी, धर्मवीर सिंह सैनी, शशि सैनी, रवि सैनी, प्रदीप सैनी, सतबीर सैनी, रोशन लाल सैनी, बहादुर सिंह, डॉ. मुरारी लाल सैनी, नरेन्द्र पाल, अमर सिंह, बलजीत सिंह, कोमल सैनी, ज्योति सैनी, सुमन रानी, सीमा सैनी, बीबी करतार कौर, छत्रपाल सैनी, सुरेश पाल, इंद्रराज सैनी, श्रीपाल सैनी, नवनीत सैनी, रामकुमार रम्बा, गुरनाम सिंह, राजेन्द्र सैनी सहित समाज के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

# उत्कर्ष क्लासेज के निदेशक निर्मल गहलोत ने मुख्यमंत्री कोविड–19 सहायता कोष में 21 लाख का सहयोग दिया

जोधपुर। ''मानवता पर आये वैश्विक संकट से निबटना हम सब की संयुक्त जिम्मेदारी है। राष्ट्र का हर नागरिक सुरक्षित रहे यह हम सब की जिम्मेदारी है।'' आज मुख्यमंत्री द्वारा निर्मित कोविड-19 सहायता कोष में जोधपुर के कलेक्टर डॉ. प्रकाश राजपुरोहित को 21 लाख का चेक सौपते हुए उत्कर्ष क्लासेज के निदेशक निर्मल गहलोत ने अपने ये उदगार व्यक्त किये।

पूरे भारतवर्ष में शैक्षिक तकनीकी एवं नवाचारों की क्रान्ति फैलाने वाले शिक्षाविद, भामाशाह एवं समाजसेवी निर्मल गहलोत ने कोरोना विषाणु जनित वैश्विक महामारी के खिलाफ लोगों को सोशल मीडिया पर जागरूक करने का अभियान तो बहुत पहले से चला रखा है। इस महामारी से युद्ध स्तर पर निबटा जा सके इस हेतु सरकार की मुहिम का खुले दिल से समर्थन कर आज कलेक्टर कार्यालय में 21 लाख आर्थिक सहायता हेतु भेंट किये।

उल्लेखनीय है कि गहलोत ने इस आपदा के चलते कोचिंग, कॉलेजों के बन्द के चलते विद्यार्थी तनाव में नहीं आये इस हेतु रोजाना की 250 घण्टों की ऑनलाइन कक्षाएं नि:शुल्क चलाने का निर्णय लिया था। उन कक्षाओं को देश भर में सराहा गया। अभी फैकल्टी एवं स्टॉफ की सुरक्षा को देखते हुए सभी 300 सदस्यीय स्टॉफ को सवैतनिक अवकाश दिया गया है। लेकिन कुछ ऑनलाइन कक्षाएँ विद्यार्थी हित के लिए अभी भी संचालित हैं।

शिक्षा एवं समाज सेवा के लिए सदैव समर्पित रहे हैं निर्मल गहलोत। सामाजिक सरोकार रखने वाली कई सेवा संस्थाओं से जुड़े है तथा अनेक अवसरों पर आपका भामाशाही सहयोग विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं एवं वंचित वर्गों को मिलता रहा है।

माली समाज के रामबाग में विद्यार्थियों को ऑन लाईन शिक्षा प्रदान करने के लिए भी 1 करोड़ की लागत से पूरा स्टूडियों बना कर समाज को समर्पित किया जिससे विद्यार्थी देश के श्रेष्ठ शिक्षकों से प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारियां कर सके। अभी हाल ही में बाल बसेरा सेवा संस्थान को 21 लाख का चेक एवं अपनी शादी की सालगिरह के उपलक्ष्य में रक्त संवाहन वाहन उम्मेद अस्पताल को भेंट किया था। इसके अलावा भी पिछले कई वर्षों में अनेक संस्थाओं को आर्थिक सहयोग दिया है। जिला कलेक्टर डॉ. प्रकाश राजपुरोहित ने गहलोत के इस सहयोग को प्रेरणास्पद बताया तथा इस सहयोग की प्रशंसा की। कलेक्टर कार्यालय में उपस्थित अन्य सभी अधिकारियों ने ताली बजाकर गहलोत का सम्मान किया। इस अवसर पर गहलोत के अनुज तरुण गहलोत भी उपस्थित थे।

# सैनी समाज ने मुख्यमंत्री कोरोना रिलीफ फंड में दी 5 लाख की राशि

कुरुक्षेत्र। सैनी समाज सभा कुरुक्षेत्र की तरफ से मुख्यमंत्री कोरोना रिलिफ फंड में 5 लाख की राशि दी है। इस राशि का चौक सैनी समाज की तरफ से सांसद नायब सिंह सैनी, विधायक सुभाष सुधा व पूर्व विधायक डा. पवन सैनी को सौंपा है। शनिवार को देर सांय सैनी समाज धर्मशाला में सैनी समाज सभा के प्रधान गुरनाम सिंह उदासी, सचिव कुशल पाल सैनी, कोषाध्यक्ष गुरदयाल सैनी, रणबीर सैनी, सैनी पब्लिक स्कूल से सुरेश पाल सैनी, सचिव योगेन्द्र सैनी ने 5 लाख रुपए की राशि का चौक मुख्यमंत्री कोरोना रिलीफ फंड के लिए सांसद नायब सिंह सैनी, विधायक सुभाष सुधा व पूर्व विधायक डा. पवन सैनी को सौंपा है। सांसद ने सैनी समाज सभा के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुख की घडी में सैनी समाज ने कोरोना वायरस से प्रभावित लोगों की मदद करने में एक सराहनीय कार्य किया है। इस प्रकार के कार्य से समाज की अन्य संस्थाओं व लोगों को भी प्रेरणा मिलेगी। इसके बाद सांसद नायब सिंह सैनी, विधायक सुभाष सुधा और पूर्व विधायक डा.पवन सैनी ने भद्रकाली मंदिर में जाकर पूजा अर्चना

की और लोगों के स्वास्थ्य के लिए कामना की। यहां पर भद्रकाली मंदिर के संचालक सतपाल शर्मा ने पूजा अर्चना करवाई। इसके बाद सांसद नायब सिंह सैनी ने महंत प्रभातपुरी के निधन पर शोक भी व्यक्त किया है।

जसधारी गोरांधाय पुरस्कार से बाड़मेर की सुश्री लता कच्छवाह सम्मानित

# राज्य स्तरीय सैनी साहित्य संगम–2020 सम्मेलन में 'वीर शिरोमणि राव हेमा गहलोत' पुस्तक का लोकार्पण

जोधपुर। सैनिक क्षत्रिय माली सांस्कृतिक संव)न एवं इतिहास शोध संस्थान की ओर से रविवार को भाटी रामसिंह जी संत रामप्रताप मेमोरियल हॉल में सैनी साहित्य संगम समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान राज्य अभिलेखागार के निदेशक डॉ. महेंद्र खडगावत मुख्य अतिथि थे।

माली संस्थान के अध्यक्ष पुखराज सांखला की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में बाड़मेर की लता कच्छवाह को प्रथम जसधारी गोरांधाय पुरस्कार प्रदान किया गया। लता कच्छवाह ने पुरस्कार के 11 हजार रुपए संस्थान को समाजसेवा के लिए लौटा दिए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान राज्य अभिलेखागार बीकानेर के निदेशक डॉ. महेन्द्र खड़गावत ने बताया कि हमनें 1 करोड़ 25 लाख दस्तावेजों का डिजिटलीकरण कर दिया है। इसमें तत्कालीन मारवाड़ रियासत के 20 लाख दस्तावेज भी शामिल है। ऐसा करने वाला यह देश का पहला अभिलेखसागार है। उन्होंने बताया कि शहर के 10 लाख मकानों के पट्टे डिजिटल किए। जल्द ही यह ई-मित्र से उपलब्ध होगें। प्रख्यात इतिहासकार प्रो. जहूर खां मेहर व विख्यात कवि डॉ. आईदानसिंह भाटी व ख्यात साहित्यकार श्यामसुंदर भारती विशिष्ट अतिथि थे। प्रो. जहूर खा मेहर ने बताया कि समाज कायलाना नहर खुदवाने में समाज का बड़ा योगदान रहा है। इस समाज ने जसवंत धड़ा, चौपासनी और उम्मेद अस्पताल बनाया। कार्यक्रम में अतिथियों ने आनंदसिंह परिहार लिखित पुस्तक वीर शिरोमणि राव हेमा गहलोत पुस्तक का विमोचन किया। समाजसेवी किशनसिंह देवड़ा ने भी विचार व्यक्त किए। संरक्षक अशोक गहलोत ने स्वागत भाषण दिया।

विशिष्ट अतिथि प्रो. जहूर खां मेहर ने कहा कि सैनिक क्षत्रिय समाज के गौरवशाली इतिहास को आम लोगों तक पहुंचाना चाहिए। डॉ. आईदान सिंह भाटी ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन से समाज व इतिहास दोनों समृद्ध होते हैं। श्यामसुंदर भारती, किशन सिंह देवड़ा ने इतिहास पर प्रकाशित पुस्तकों को एक स्थान पर एकत्र कर पुस्तकालय निर्माण का सुझाव दिया। अध्यक्ष पुखराज सांखला ने ऐसे आयोजनों की महत्ता बताते हुए समाज के इतिहास से आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा लेने की बात कही। सभी अतिथियों ने इस मौके पर नागौर के वरिष्ठ पत्रकार बाबूलाल टाक और रतननगर, चूरू के शंकर कटारिया सहित देश भर के समाजजनों व 24 साहित्यकारों का सम्मान किया गया।

## कवि सम्मेलन में कवियों ने जमाया रंग

कवि सम्मेलन में कानपुर के अनुराग सैनी, जयपुर की दीपा सैनी, पीलीभीत के कृष्णकुमार सैनी, बीकानेर की सीमा भाटी, जैतारण के दिनेश राज, भोपालगढ़ के दिनेश दीवाना गहलोत व रमेशकुमार राही, प्रवीण गहलोत अरमान जोधपुरी, बालेसर के प्रकाश गहलोत, पीपाड़ के मनीष बागवान, दिनेश वत्सल और अनिल अदबी ने कविताएं सुना कर अभिभूत कर दिया। इस अवसर पर जसवंत सिंह कच्छवाह, सीए नरेंद्र सिंह कच्छवाह, सतीश सांखला, जसवंत गहलोत, रविंद्र सिंह गहलोत, नारायण सिंह गहलोत, सवाई सिंह गहलोत, रामेश्वर, युधिष्ठिर परिहार, महेंद्र सिंह कच्छवाह, वीरेंद्र सिंह कच्छवाह, डॉक्टर कुलदीप सोलंकी, एकता परिहार सहित अनेक प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. वीरेंद्र भाटी मंगल एवं कवि दिनेश गहलोत ने किया।

### देशभर में वेंटिलेटर बनाने पर है फोकस, डीआरडीओ भी जुटा है वेंटिलेटर तैयार करने में

# एनआईटी के प्रोफेसर एल. एम. सैनी ने बनाया 3500 रुपए में वेंटिलेटर

कुरुक्षेत्र. पूरा विश्व कोरोना वायरस की महामारी से जूझ रहा है। ऐसे में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान एनआईटी कुरुक्षेत्र के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. ललित मोहन सैनी ने 3500 रुपए की लागत से वेंटिलेटर तैयार किया है। प्रो. सैनी ने बताया कि कोरोना के कारण अस्पताल में दाखिल होने वाले मरीजों के लिए वेंटिलेटर सबसे जरूरी है, लेकिन वेंटिलेटर की लागत बहुत अधिक होती है। इस कारण इनकी उपलब्धता कम है। ऐसे में डीआरडीओ ने भी प्राथमिकता के आधार पर वेंटिलेटर बनाने का काम शुरू किया है।

प्रो. सैनी ने बताया कि इस वेंटिलेटर को उन्होंने अपने एक विद्यार्थी और एक चिकित्सक के साथ मिलकर तैयार किया है। वहीं इसके पेटेंट के लिए भी उन्होंने

आवेदन कर दिया है। प्रो. एलएम सैनी ने कहा कि वे चाहते हैं कि कोई इंडस्ट्री इस सस्ते वेंटिलेटर को बनाने के लिए आगे आए और लागत मूल्य पर इसे अस्पतालों में उपलब्ध करवा कोरोना पीड़ितों की मदद करें।

त्रिम सांस उपलब्ध कराने में उपयोगी. प्रो. एलएम सैनी ने बताया कि 3500 रुपए की लागत वाला यह वेंटिलेटर मरीजों को त्रिम सांस उपलब्ध कराने में बेहद सहायक है। उन्होंने कहा कि इस वेंटिलेटर को सीधे एसी पर भी चलाया जा सकता है। ये अश्वटोमेटिक सिस्टम से चलता है जिसका वश्वल्यूम डश्वक्टर मरीज की आयु के हिसाब से कम और ज्यादा भी कर सकते हैं। एसी बंद होने के स्थिति में भी यह वेंटिलेटर सात एएच की बैटरी पर कुछ समय तक चलता रहेगा।

प्रो. सैनी ने बताया कि इस वेंटिलेटर को बनाने में उन्हें तीन महीने का समय लगा है। उन्होंने कहा कि वेंटिलेटर का मुख्य कार्य मरीज को त्रिम सांस उपलब्ध करवाना है। ऐसे काम करता है वेंटिलेटर. प्रो. एलएम सैनी ने बताया कि क्रैंक शिफ्ट मैकेनिज्म से एम्बयू बैग पर प्रेशर डाला जाता है। इसके बाद एम्बयू बैग से निकलने वाले त्रिम सांस को नाली के माध्यम से मरीज को दिया जाता है।

# बांदीकुई की दृष्टि बाधित मनीषा ने पैरा स्पोर्ट्स में जीते तीन गोल्ड

दौसा। हौसला और मन में जीत का जज्बा हो तो शारीरिक अक्षमता भी आड़े नहीं आती। दौसा जिले की महिला खिलाड़ियों ने राजस्थान दसवीं पैरासाइटिक्स प्रतियोगिता में सफलता के परचम लहराकर यह सिद्ध कर दिखाया है। बांदीकुई की दृष्ट बाधित खिलाड़ी मनीषा सैनी ने एक साथ तीन गोल्ड मैडल हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। मनीषा ने 200 मीटर दौड़ में गोल्ड, 400 मीटर दौड़ में गोल्ड तथा लंबी कूद में भी गोल्ड मेडल प्राप्त किया है। जोधपुर के गोशाला स्टेडियम में 28 फरवरी को शुरू हुए राज्य स्तरीय पैरा स्पोर्ट्स में मनीषा की इस सफलता पर साथी खिलाड़ियों को भी गर्व है।

मनीषा राजस्थान नेत्रहीन कल्याण संघ जयपुर की छात्रा है। उसके कोच महेंद्र कुमार व टीम ओम प्रकाश निर्वाण ने बताया कि प्रतियोगिता का समापन 2 मार्च को होगा।

इस प्रतियोगिता में जिले के 10 पैरा खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। जिन्होंने शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। सारिका अंधाना ने डिस्कस थ्रो (एफ37) में गोल्ड मैडल हासिल कर नेशनल के लिए क्वालिफाई किया है। उसने भाला फेंक में गोल्ड तथा गोला फेंक में ब्रांज मेडल हासिल किया है।

इसी तरह रेखा देवी ने 100 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल प्राप्त किया है। राप्रावि बालकिशन का बास की अध्यापिका सुनीता मीणा ने जैवलिन थ्रो में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है। मानपुर के बनवारी सैनी ने 41 केटेगरी में जैवलिन थ्रो में गोल्ड मेडल और लालसोट के अशोक महावर ने जैवलिन थ्रो में सिल्वर मेडल हासिल किया है।

## फेम इंडिया मैगजीन- एशिया पोस्ट सर्वे के 25 सशक्त महिलाओं 2020 की सूची में सीमा समृद्धि कुशवाहा

# निर्भया के गुनहागारों को फांसी के फंदे पर पहुंचा समाज की बेटी ने दिलाया न्याय

नई दिल्ली। सीमा कुशवाहा के अथक परिश्रम से निर्भया के दरिंदों को हुई फांसी। हमें गर्व है समाज की बेटी पर जिन्होंने विषम परिस्थितियों में भी हार नही मानते हुए 7 सालों तक निर्भया को न्याय दिलाने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ डटी रही।

निर्भया आपको न्याय दिला कर एक सुकून है लेकिन आपके दर्द को कम नहीं कर सके थे और देश हजारों बेटियाँ आज भी इसी दर्द में जी रही हैं। सिस्टम कब सक्रिय रूप से कार्य करेगा? - एडवोकेट सीमा कुशवाहा

### मजलूमों की सशक्त आवाज हैं सीमा समृद्धि कुशवाहा

अपने छोटे से कैरियर में ही देश के सर्वाधिक चर्चित वकीलों में अपना नाम शुमार कर चुकीं सीमा समृद्धि कुशवाहा अब किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। बहुचर्चित निर्भया गैंग रेप के अपराधियों को फांसी दिलवाने के लिए दिन-रात एक कर देने वाली सीमा वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली हाईकोर्ट में अधिवक्ता हैं। वे बचपन से ही बेहद मेधावी थीं। उन्होंने राजनीति-शास्त्र में पीजी करने के अलावे मास कम्युनिकेशन (जर्नलिज्म) का कोर्स भी किया है। शुरू से ही समाजसेवा और सुधार के क्षेत्रों में बहुत कुछ करना चाहती थीं, इसलिए इन्होंने एल.एल.बी. की डिग्री हासिल की।

उत्तर प्रदेश के इटावा के चंबल क्षेत्र के एक मध्यमवर्गीय परिवार में 2 अक्टूबर 1986 को जन्मी सीमा बचपन से ही बड़े लक्ष्यों वाली और जुझारू स्वभाव की रही हैं। चंबल जैसे दर्गाम, असुरक्षित और दकियानूसी क्षेत्र में रहने के बावजूद उन्होंने उस माहौल में भी कई-कई किलोमीटर दूर जा कर अपनी माध्यमिक शिक्षा पूरी की। पिता का सहयोग उन्हें हमेशा मिला। उनके पिता क्षेत्र में प्रभाव रखने वाले ग्राम-प्रधान थे।

सीमा समृद्धि कुशवाहा ने वर्ष 2006 में लक्ष की डिग्री प्राप्त करने के बाद वर्ष 2007 में इलाहाबाद हाईकोर्ट से वकालत की शुरूआत की। वे वास्तव में सिविल सर्विसेज में जाना चाहती थीं लेकिन यूपीएससी द्वारा वर्ष 2011 में पाठ्यक्रम में अचानक किये गये बदलाव ने उनकी तैयारियों पर विपरीत असर डाला। वे इस बदलाव के विरुद्ध चले आंदोलन की अगुवा भी रही हैं।

समाज के विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे अन्याय को देखते हुए इन्होंने वकालत के जरिये ही गरीबों और मजलूमों को न्याय दिलाने का मार्ग चुना। वर्ष 2012 में निर्भया के साथ हुए घिनौने अपराध ने उन्हें अंदर तक झकझोर दिया। उन्होंने तब ही निर्धारित कर लिया था कि निर्भया के दरिंदों को फाँसी के फंदे तक पहुँचा कर रहेंगी। इंदिरा गांधी को अपना आदर्श मानने वाली सीमा समृद्धि राजनीति में आ कर बड़े नेतृत्व को निभाने की भी तैयार में हैं। वे राजनीति को समाज में बदलाव का सशक्त माध्यम मानती हैं। वर्तमान में सीमा "निर्भया ज्योति ट्रस्ट" व "महात्मा ज्योतिबा फुले ब्रिग्रेड" की लीगल एडवाइजर हैं। समाजसेवी के रूप में सीमा सैकड़ों लोगों की मदद कर रहीं हैं जिनमें रेप, घरेलू हिंसा की शिकार महिलाएं ज्यादा हैं। वे देश भर के कई ऐसे मामलों में वकील हैं।

समाज की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के साथ ही देश विदेश से निर्भया को न्याय दिलाने के लिए सीमा कुशवाहा को हार्दिक बधाई प्रेषित की। हमें समाज की होनहार युवा अधिवक्ता की काबिलियत पर गर्व है आप समाज की युवा पीढ़ी एवं मातृ शक्ति के लिए आदर्श है।

# श्री राजेन्द्रसिंह सोलंकी, पूर्व जेडीए अध्यक्ष ने जन्मदिवस पर किया वृक्षारोपण

जोधपुर । श्री सैनिक क्षत्रिय पूंजला नाडी पर्यावरण विकास सेवा संस्थान के कार्यक्रम संयोजक राकेश सांखला एवं कार्यक्रम संचालक जगदीश देवड़ा ने बताया कि सेवा संस्थान के तत्वाधान जन जन के लाडले और लोकहितैषी जननायक श्री राजेन्द्रसिंह सोलंकी, पूर्व जे.डी.ए. अध्यक्ष ने पर्यावरण प्रेम के चलते अपने जन्मदिवस के अवसर पर किया पूंजला नाडी में वृक्षारोपण किया।

इस अवसर पर जसवन्त सिंह कच्छवाह, लतेश गहलोत, कालूसिंह गहलोत, हरिसिंह गहलोत, हेमसिंह गहलोत, अमित सांखला, भवतोष गहलोत, लेखराज गहलोत, श्रीमति किरण गहलोत, मयंक देवड़ा आदि कई गणमान्य लोगों की उपस्थित थे। संस्थान सदस्य छंवरसिंह गहलोत, करण देवड़ा, अशोक गहलोत, मनीष गहलोत, गणपत सिंह, घनश्याम कच्छवाह, लुम्बाराम देवड़ा, किशनजी, मुकेश गहलोत आदि ने भी सेवाएं प्रदान की।

## मरुधर केसरी स्कूल उत्सव 2020 धूमधाम से संपन्न

जोधपुर। मगरा-पूंजला स्थित बासनी तम्बोलिया, बाबा रामदेव नगर, न्यू मरूधर केसरी पब्लिक विद्यालय में वार्षिक उत्सव 2020 मनाया। संस्थान के प्रधान नृसिंह देवड़ा ने बताया कि मुख्य अतिथि श्री प्रेमचंद सांखला संयुक्त निदेशक, शिक्षा विभाग, जोधपुर, विशिष्ट अतिथि नारायणसिंह सांखला, जोगेन्द्र गौड़, जगदीश देवड़ा, रामनिवास सैनी, श्यामलाल सैनी, साबुराम, प्रेमसिंह चौधरी उपस्थित हुए।

कार्यक्रम में विद्यालय के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति, सांस्कृतिक एवं राजस्थानी गाने पर नृत्य प्रस्तुत किये। विद्यार्थियों ने स्वच्छ भारत, देशभक्ति, बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ आधारित नाटक प्रस्तुत किये, आगनतुकों ने जिसकी भूरी-भूरी प्रशंसा की।

श्री प्रेमचंद जी सांखला ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यार्थियों की मोबाईल एवं टी.वी. से दूरी बनानी चाहिए क्योंकि इससे आंखों की रोशन कम हो जाती है। समय-समय पर विद्यार्थियों को खेलकूद में भाग लेना चाहिए। जगदीश देवड़ा ने कहां कि पर्यावरण एवं जल संरक्षण पर ध्यान देना चाहिए। समय-समय पर पौधारोपण भी होना चाहिए। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका शालु सैनी ने बताया कि माल्यार्पण एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में धीरज दीक्षित, अशोक भाटी, जवरीलाल देवड़ा, पिन्टू गहलोत, हुकमाराम टाक, विजयराज, जानकीजीव, राजेन्द्र, सीता आदि गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दी।

**हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं**

श्री दिलीप टाक को PNB बैंक में चीफ मैनेजर और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती पूनम टाक को सीनियर मैनेजर के पद पर प्रमोशन होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

www.malisainisandesh.com


## अजय सैनी वेसफे ऑफ इंडिया मंडल अध्यक्ष नियुक्त

पुष्कर। राष्ट्रीय स्तर पर नॉन ग्रेजुएट पशु चिकित्सा कर्मचारियों के संगठन वेटेरीनरी सर्विसेज फैडरेशन ऑफ इंडिया (VSFI) की राष्ट्रीय संघर्ष समिति में राजस्थान पशु चिकित्सा कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष अजय सैनी का अध्यक्ष मंडल में मनोनयन किया गया है।

फैडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. नारायण जोशी ने नियुक्ति पत्र जारी कर संघर्ष समिति को केंद्र सरकार तथा राज्य सरकारों सरकार से वार्ता सहित फैडरेशन के सभी कार्यो के संपादन हेतु अधिकृत किया है।

संघर्ष समिति के अध्यक्ष मंडल मे हरियाणा राज्य के प्रदेश अध्यक्ष बिजेंद्र सिंह बेनीवाल तथा पंजाब राज्य के प्रदेश अध्यक्ष निर्मल सैनी को भी शामिल किया गया है।

सैनी ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर काउंसिल का गठन,राष्ट्रीय स्तर पर एक समान भर्ती नियम,समान पदनाम तथा डिप्लोमा की अवधि 3 वर्ष के साथ 6 माह का इंटर्नशिप कोर्स की किया जाना शामिल किया जाना फैडरेशन की मुख्य मांग है साथ ही भारत सरकार द्वारा केन्द्रोंमुखी योजना सहित सभी कार्यक्रमो की पुनः समीक्षा की आवश्यकता जताई गई।


संतोष सांखला
9252067133
9414359805

नेमीचंद सांखला
9529551444

आ. पी. तंवर
9414117306

**तंवर मार्बल**
**मूर्ति एण्ड हैण्डीक्राफ्ट**

हमारे यहां मार्बल स्लैब, टाईल्स, मंदिर मूर्ति, जाली, पालकी, मार्बल फ्लॉवर व हैण्डीक्राफ्ट आदि का कार्य किया जाता है।

Marble Art (Android Apps on Gooble Play Store)
E-Mail : marbletanwar@gmail.com
शोरूम : सैनी कॉम्पलैक्स, 1 फ्लोर, शॉप नं. 40, रेल्वे स्टेशन के पास, मकराना ( राज. )

# सैनिक क्षत्रिय समाज के इतिहास पुरुष वीर शिरोमणी राव हेमा गहलोत

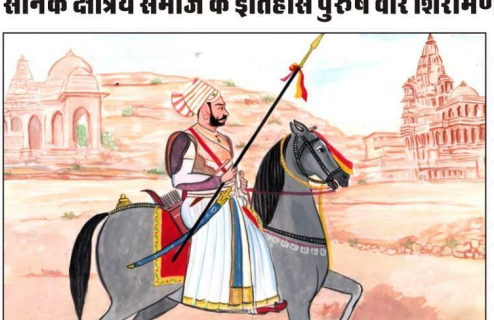

''हेमा घोड़ो जोत गुडबेल दान दीनो तुरकवी तोड़ हिन्दवाणी ने तिलक दी ने गढ़ पलट द्धफतहऋ किना गढ़ मण्डोर के खेड़े राव चूड़ा के वार''

इतिहास बहुत सारी वीर-गाथाओं और उदाहरणों से भरा पड़ा है, जहाँ वीरों ने अपने पुरूषार्थ, निष्ठा, स्वतंत्रता, सच्चाई, वीरता, कर्त्तव्यपरायणता, गौरव और संकल्प को बरकरार रखते हुए पराक्रम दिखाया है। वीर राव हेमा गहलोत राजस्थान के इतिहास में इन प्रसिद्ध लोगों में से एक थे।

इतिहास पुरूष वीर शिरोमणी हेमा गहलोत का जन्म सैनिक क्षत्रिय समाज में नागौर जिले के कुचेरा कस्बे में पिता पदमराव गहलोत व माता श्रीमती गंवरीदेवी(पुत्री प्रेमजी सोलंकी) के घर हुआ। राव हेमा के कुछ परिवारजन बहुत पहले से ही जोधपुर के मण्डोर में बस चुके थे। बाद में राव हेमा के परिवार के लोग भी मण्डोर आकर बस गये। वीर हेमा गहलोत की शादी पार्वती देवड़ा (पुत्री रामीजी देवड़ा)के साथ हुआ। राव हेमा के जन्म एवं मृत्यु की तिथि का उल्लेख न तो राव-भाटों की बही में मिलता है, और न ही कहीं ऐतिहासिक जानकारी। इतिहास में दर्ज जानकारी के अनुसार वीर शिरोमणी राव हेमा की मृत्यु मण्डोर के प्रथम शासक राव चुड़ा के समय हुई बताते है।

वीर शिरोमणी राव हेमा गहलोत बालेसर इंदा परिहार मण्डोर के प्रधान थे। इनके सहयोग से सन् 1395 ई. में तुर्कों पर विजय पायी थी। वीर हेमा के मण्डोर आगमन से पहले दिल्ली में सल्तनत कमजोर होने से गुजरात के सुबेदार जफर खां मण्डोर और नागौर का मुखिया बन बैठा और मण्डोर में अपने हाकिम के रूप में ऐबक खां को नियुक्त किया। ऐबक खां ने हाकिम बनने के साथ ही प्रजा को परेशान करना प्रारम्भ कर दिया। उसने किसानों को ज्यादा लगान देने के लिए मजबूर किया। जिससे किसान बर्बाद होने लगे। इधर ऐबक खां के हाकिम रहते गायों की चोरियां बढने से किसानों को चिंता सताने लगी। इंदा परिहारों व मण्डोर क्षेत्र के किसानों एवं जमींदारों में इतनी शक्ति नहीं थी कि वे ऐबक खां का मुकाबला कर सके। इसी दौरान ऐबक खां ने मण्डोर के किसानों, जमींदारों से साधारण लगान के अलावा अपने घोड़ों के लिए सौ बेल गाड़ियां घास की अनुचित मांग रख दी। इससे सारे किसान परेशान व हताश हो गये। ऐबक खां की बढती नाजायज मांग को देखते हुए वीर राव हेमा गहलोत के नेतृत्व में जमींदारों, किसानों ने एक योजना को रूप दिया गया।

जमींदारों, किसानों ने गुप्त रूप से तैयार योजना को अंजाम देने के लिए वीर शिरोमणी हेमा गहलोत के नेतृत्व में यह तय किया कि हमेशा-हमेशा की परेशानी से निजात पाने के लिए योजनाबद्ध ढंग से आक्रमण कर तुर्कों को यहां से भगाकर पुनः मण्डोर पर कब्जा कर लिया जाये। इस योजना के अन्तर्गत यह तय हुआ कि ऐबक खां के सौ बेलगाड़ी घास की मांग को योजना का रूप देते हुए प्रत्येक बैलगाड़ी में चार-चार हथियारों से युक्त जंगी जवानों को घास के बोरों में छुपा दिया, वहीं बैलगाड़ी हांकने वाले जवानों को भी घास-फुस से ढके हथियारों के जखिरें के साथ भेजा गया। कुल पांच सौं जवानों को इस योजना में शामिल कर मण्डोर किले पर आक्रमण के लिये भेजा गया।

किले के दरवाजे पर पहुंचकर हाकिम ऐबक खां को घास की सौ

गाड़िया पहुचनें की सूचना दी गई। ऐबक खां इस बात से बहुत खुश हुआ और उसने अपने भांजे को घास परखने के लिए भेजा। ऐबक खां के भांजे ने घास से भरी एक बैलगाडी में भाला मारा। वह भाला एक जवान की जांघ में लगा। जवान ने बड़ी चतुराई से दर्द को सहन करते हुए भाले को बाहर जाने दिया। भाले के कठिनाई से अन्दर जाने व बाहर निकलने पर ऐबक के भांजे ने घास से खूब भरी होना समझ कर गाड़ियों को किले के अन्दर जाने दिया।

किले के आहते में पहुंचते ही एक साथ पांच सौ हथियारों से सुसज्जित जवानों ने 'आयो लड़णो फतेह कर दो' के जोशीले नारे के साथ ऐबक के सैनिकों पर हमला कर दिया। किले में घूम घूम कर जवानों ने सैनिकों व ऐबक खां का कत्लेआम कर दिया। पूरे मण्डोर किले में खून ही खून दिखाई देने लगा। जवानों ने ऐबक खां को मारकर मण्डोर पर पुनः कब्जा कर लिया।

वीर शिरोमणी राव हेमा के साहस, शौर्य व पराक्रम से पुनः इंदा परिहारों का राज्य स्थापित हुआ। इंदा परिहारों ने मण्डोर की सत्ता तो पुनः हथिया ली, लेकिन नागौर में अभी भी शक्तिशाली तुर्को की सत्ता स्थापित थी। वहीं उधर चितौड के राणा भी मण्डोर को हथियाने कि फिराक में थे, जो शक्तिशाली भी थे। कभी भी मण्डोर पर हमला कर सकते थे। इंदा परिहारों के सामने दोहरी चुनौती थी। वीर शिरोमणी राव हेमा ने बुद्धिमता, सूझबूझ व दूरदर्शिता का परिचय देते हुए शक्तिशाली हो रहे राठौडों के राव चूड़ाजी को मण्डोर की सत्ता दिलवाने में भूमिका निभायी। मण्डोर के नये शासक राव चूड़ा जी ने पौष सुदी 10 संवत 1449 में अपने इकरार के अनुसारराव हेमा को मण्डोर से सालोड़ी तक कृषि भूमि माफी दी थी। सैनिक क्षत्रिय कुल के इस वीर शिरोमणी राव हेमा ने अपनी वीरता, शौर्य, पराक्रम व रणकौशल का परिचय देते हुए मण्डोर को तुर्को से आजाद करवाया।

वीर शिरोमणी राव हेमा की उदारता, त्याग, वीरता, निर्भिकता उच्चकोटि की थी, राव हेमा की वीरता व पुरूषार्थ के कारण मण्डोर को आजादी मिली और हिन्दू राज्य की स्थापना हुई। ऐसे वीर सूपत की वीरता के प्रतीक रूप में जोधपुर के मण्डोर में प्रतिवर्ष होली के दूसरे दिन वीर हेमा राव महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

राव गैर मण्डोरराव हेमा गहलोत ने अपने विजयी होने का कारण काल भैरव जो दुष्टों और शत्रुओं का नाश करने में सक्षम है कि आस्था के साथ शुरू हुआ था। मण्डोर विजय के बाद आम नागरिको में मण्डोर के भैंरूजी की मान्यता जोधपुर व जोधपुर के बाहर बसने वालों में उत्तरोत्तर बढ़ी। शादी के बाद अवश्य भैंरूजी कीजात (पूजा) लगाने आते है, आज भी भैरू जी मंदिर के पुजारी इन ही राव हेमा गहलोत के वशंज है। एक ऐसा युद्ध हुआ जो भैरव के आर्शीवाद से शत्रु का समूल नाश व एक ऐसी संस्कृति का मिलाप है, जिसमें आस्था के साथ-साथ विजयी होने का संकेत भी है। राव गैर महोत्सव प्रेरणा देता है कि संसार में उन्हीं महापुरूषों का जीवन सफल और अनुकरणीय माना जाता है जो देश के प्रति कर्त्तव्यभावना का पालन करते हैं।

राव हेमा गहलोत के वंशजों द्वारा सैकड़ो वर्षो से निकाली जाने वाली राव राजा की गैर जो केवल मण्डोर क्षेत्र में ही निकाली जाती हैं अन्यत्र नही, भले उनके वंशज अलग-अलग क्षेत्रों में निवास करते हो। राव की ऐतितहासिकता राव हेम गहलोत से जुड़ी हुई है, जो इन्ही के वंशजों द्वारा सदियों से परम्परा कोआज तक संजोये रखा है। यह मण्डोर पर से तुर्को पर विजय कर हिन्दू राष्ट्र स्थापित करने का विजय जुलूस है जो राव हेमा गहलोत की नेतृत्व में लड़ा गया था, और अपने ईष्ट काला गोरा भैरू व कुलदेवी बाणमाता मे गहरी आस्था व आर्शिवाद से विजयी हुये थे। राव हेमा गहलोत द्वारा काला गोरा भैरव व बाणमाता की स्थापना के दिन चैत्र कृष्ण प्रतिपदा के दिन विजयी दिवस मनाया जाता है जिसे राव जी की सवारी या राव महोत्सव कहा जाता है।

सैनिक क्षत्रिय वीर राव हेमा गहलोत के लिए इतिहास में विभिन्न ख्यात दर्ज हैं-

**"हेम तुरकाणी तोड़ हिन्दवाणी करी राव चूड़ाजी ने तिलक दीन्हों हेमजी धोड़ा जोत गुडवेल दान दीना गढ मंडोवर के बेडे राव चूड़ा जी के वारे"**

**"हेम तुरकाण तौड़ हिन्दवाण कीया गढ पलट कीया राव चूड़ा ने तिलक दीयौ धोडा जोत गुडबैल दान दीन्हीं गढ मंडोवर के बेडे राव चूड़ा के वारे"**

**"हेम पदम के धोडा जोत ने धुडैहल दान दीन्हों तुरकाणी सु हिन्दवाणी कीन्ही गढ पलट राव चूडा ने तिलक दीन्हों बेडे''**

ऐसे पराक्रमी वीर योद्धा के विजय जुलुस के रूप में जोधपुर के मण्डोर में निकलने वाली राव गैर पूरे राजस्थान में प्रसिद्ध है। राव हेमा गहलोत की वीरता हमारे लिए आदर्श है।

प्रस्तुति :
आनंद सिंह परिहार
लेखक, संपादक एवं प्रकाशक
वीर शिरोमणी राव हेमा गहलोत

# Personality of The Month

# डॉ. अरुणा अंचल (सैनी)

डॉ. अरूणा अंचल ( सैनी )

- विश्वविद्यालय की अधिष्ठाता
- समाजसेविका, लेखिका
- शिक्षा शास्त्र में डाक्टरेट
- 25बार रक्तदान करने का गौरव
- लेखिका, कवियत्री
- अंतराष्ट्रीय स्तर पर शोध पत्र का प्रकाशन
- मातृशक्ति अवार्ड सम्मानित
- नारी शक्ति अवार्ड सम्मानित
- उत्कृष्ट वक्ता सम्मान
- पयार्वरण सरंक्षक
- समाजसेविका, काउंसलर

समाज में कुछ महिलाएं ऐसी हैं जो फर्श से अर्श तक का सफर बड़ी तनमन्यता से पूरा करती हैं। ऐसी ही एक नारी हैं बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय की अधिष्ठाता एवं कबीर अनुभूति सेवा समिति की निदेशक डॉ. अरूणा अंचल।

समाज में कुछ महिलाएं ऐसी हैं जो फर्श से अर्श तक का सफर बड़ी तनमन्यता से पूरा करती हैं। समाज में ऐसी नारियों को जहां पूरा सम्मान मिलता है वहीं आने वाली पीढ़ी उनसे प्रेरणा भी लेती है। ऐसी ही एक नारी हैं बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय की अधिष्ठाता एवं कबीर अनुभूति सेवा समिति की निदेशक डॉ. अरूणा अंचल।

डॉ. अरूणा अंचल का जन्म 27 अगस्त को पंजाब के आदमपुर में हंसराज सैनी के घर हुआ। उनकी शादी रोहतक के कृष्ण सैनी के साथ हुई। शिक्षा में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त डॉ. अरूणा अंचल एक समाजसेविका, लेखिका के साथ एक पथ प्रदर्शक शिक्षक भी हैं। एक साधारण से परिवार में जनमी डॉ. अरूणा शुरू से ही मेहनत करने की धनी रही हैं। पांच बहनों में ये मंजली हैं। अपने पिता से इन्होंने 'सादा जीवन उच्च विचार' पर आगे बढ़ती रही। पिता एक फौजी थे जिसके कारण इनकी पढ़ाई भारत के विभिन्न क्षेत्रों में हुई। जल्दी ही इनका विवाह रोहतक के कृष्ण सैनी से हो गया। शादी एक ऐसे परिवार में हुई जहां इनको खेत व गायें-भैंस की देखभाल करनी पड़ती थी। पर फिर भी अपने पढ़ाई को आगे बढ़ाने की बात अपने पति के सामने रखी और पति की सहायता से पढ़ाई पूरी की।

अपने पति का हाथ बंटाने के लिए घर के काम करने के साथ-साथ पठानिया पब्लिक स्कूल में बतौर शिक्षक कार्य शुरू किया। यहां एक दशक कार्य करने के बाद इन्होंने झज्जर में प्रधानाचार्य के रूप में कार्य किया। परिवार को ऊपर उठाने के लिए इन्होंने अपनी पढ़ाई फिर शुरू की और शिक्षा शास्त्र में डाक्टर की उपाधि प्राप्त कर शिक्षण महाविद्यालय में प्राचार्या के रूप में एक दशक निकाला। यहां से इन्होंने पीछे मुडकर नहीं देखा। इसके साथ-साथ डॉ. अरूणा आंचल सामाजिक कार्यो के लिए भी तन-मन-धन से जुट गई। महिलाओं तथा कन्याओं को हर तरह से जागरूक करने के लिए उनसे जुड़ गई। इसके लिए उन्होंने सबसे पहले अपने परिवार से शुरूआत की।

आज अपनी मेहनत से ये बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में शिक्षा विभाग की अधिष्ठाता व विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। पिछले दो दशकों से शिक्षण कार्य में हैं।

डॉ. अरूणा 25 बार रक्तदान कर चुकी हैं। यह प्रेरणा उन्हें अपने पिता जो एयरफोर्स से सेवानिवृत्त अधिकारी हैं, उनसे मिली। इनकी कई शोध पत्र अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। इनकी बहुत सी कवितायें, लेख आदि अखबारों, पुस्तकों में प्रकाशित हो चुके हैं। इन्हें वृंदावन शोध संस्थान, भारत उत्थान उनयास की तरफ से शाश्वत सम्मान कला व साहित्य के लिए सम्मानित किया गया है। इन्हें नई दिल्ली यूथ पार्लियामेंट की तरफ से उत्कृष्ट वक्ता, मातृ शक्ति अवार्ड, हरियाणा कला परिषद्, इंटरनेशनल एंपावर्ड वूमेन, साइंस एंड टेक्रोलोजी आर्गेनाइजेशन नई दिल्ली, नारी शक्ति अवार्ड तथा अश्वल इंडिया रेडियो नई दिल्ली की तरफ से भी उत्कृष्ट वक्ता से नवाजा गया। इसके साथ ही रोहतक रेडियो स्टेशन पर नशा मुक्ति दिवस पर कविता वाचन कर चुकी हैं। इसके साथ और भी बहुत से सम्मान इनकी झोली में हैं। यह पर्यावरण संरक्षण के रूप में भी मानी जाती हैं। डॉ. अरूणा प्रमुख रूप से किशोर बच्चों पर काम कर रही हैं। यह उन्हें सकारात्मक शिक्षा के रूप में बात करती हैं तथा काउंसलिंग भी करती हैं।

हम सभी को अरूणा अंचल पर गर्व है आप आज की युवा पीढ़ी के लिए आदर्श है।

## अजमेर विद्युत वितरण निगम में श्री वी.एस. भाटी के पुनः निदेशक नियुक्ति पर समाज द्वारा बहुमान

अजमेर। क्षत्रिय फूल मालियान धर्मशाला, रामनगर, अजमेर के तत्वावधान मे विद्युत वितरण निगम प्रा.लिमिटेड, अजमेर के प्रबंधक निदेशक के पद पर पुनः नियुक्ति होने पर रामनगर समाज बंधुओ ने श्री मान विजय सिंह जी भाटी का माला, साफा व मोमेंटो दे कर सम्मान किया। इस अवसर सभी वक्ताओं ने श्री भाटी जी का कार्यकाल बढने पर खुशी व्यक्त की व कहा कि यह भाटी जी के ईमानदारी से किये काम का नतीजा हैं। सम्मान समारोह की अध्यक्षता श्री भानुलाल जी बागवान ने की।इस मौके पर अतिथि महोदय श्री भाटी जी ने कहाँ कि प्समाज द्वारा सम्मान पा कर बहुत खुशी व गर्व होता हैं ,साथ ही समाज को इस समय एक जुट होने का आवाह्न किया। सभी संस्थाओं को समय समय पर एक ही मंच पर उपस्थित होकर समाजहित मे कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर हनुमान प्रसाद कच्छावाह, राजेन्द्र मौर्य, पृथ्वीराज सांखला, प्रदीप कच्छावाह आदि समाज बंधु उपस्थित थे।

## सुश्री सुमंति सैनी बनी वैज्ञानिक

हसनपुर उ.प्रदेश। कस्बा सैदनगली शिक्षक सूरजपाल सिंह की बेंटी सुमंति सैनी ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संस्थान में वैज्ञानिक पद पर चयनित होकर माता पिता, समाज व क्षेत्र का नाम रोशन किया। 16 सितबंर, 1998 को शिक्षक सूरज सिंह के घर जन्मी सुमंति ने इंटर तक की पढ़ाई एस. डी. इंटर कॉलेज सैदनगली से की। जनपद की टॉप टेन सूची में हाई स्कूल में 8वां तथा इंटर में चौथा स्थान हासिल किया था। इसके बाद गाजियाबाद के आइएमएस कॉलेज से बीटेक करने के बाद 2018 में टीसीएस कंपनी में साफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर चयन होने पर कार्य किया। 15 दिसंबर 2019 को सुमंति सैनी ने खालसा कालेज दिल्ली यूनिवर्सिटी में डीआरडीए में वैज्ञानिक पद की परीक्षा दी थी। परीक्षा पास करने पर 7 फरवरी 2020 को इंटरव्यू हुआ और 12 फरवरी को रिजल्ट आने पर परिजनों में हर्ष की लहर दौड़ गई। सुमंति सैनी के माता पिता दोनों शिक्षक है। पिता सूरजपाल सिंह जूनियर हाई स्कूल, चांदपुर में इंचार्ज अध्यापक तथा माता दशरथ सिंह इंटर कॉलेज में सहायक अध्यापिका है। समाज की विभिन्न संस्थाओं ने सुमंति को हार्दि बधाई प्रेषित कर उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की।

## समाज के युवा निलोत्पल सैनी राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित

सीकर। युवा निलोत्पल सैनी ने प्राप्त की बड़ी कामयाबी ग्लोबल फाइबर चौलेंज की ओर से नई दिल्ली में सी सी टी एन एस हेकाथश्वन एंड साइबर चैलेंज गृह मंत्रालय भारत सरकार के अधीन एन सी आर बी एम साइबर पीस के तत्वाधान में आयोजन किया गया। इसमें देशभर में तमाम साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स ने भाग लिया और चुने हुए 30 प्रतिभागियों को दिल्ली में बुलाकर हेकथॉन का दूसरा राउंड पूर्ण किया गया जिसमें से 3 विजेता चुने गए। जिनमें राजस्थान के सीकर के रहने वाले निलोत्पल सैनी जो फिलहाल डी ई शां कंपनी हैदराबाद तेलंगाना राज्य में सीनियर सश्फ्टवेयर इंजीनियर है ने तृतीय स्थान पर कब्जा कर कांस्य पदक प्राप्त किया जिस पर उसे माननीय गृह राज्य मंत्री भारत सरकार नई दिल्ली श्री नित्यानंद राय द्वारा सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि प्राप्त करने वाला श्री निलोत्पल सैनी सबसे युवा सिक्योरिटी एक्सपर्ट है उसने यह उपलब्धि महज 23 वर्ष की उम्र में प्राप्त की इसी तरह के कारणों में श्री निलोत्पल सैनी और दिव्या सैनी दोनों भाई बहन पहले भी करते रहे हैं साडे 11 साल की उम्र में श्री नीलोत्पल सैनी और वह 10 साल की उम्र में दिव्या सैनी ने एक साथ 10 वीं कक्षा पास की उसके बाद क्रमशः साडे 13 साल में निलोत्पल और 12 की उम्र दिव्या ने 12वीं अच्छे अंकों से उत्तीर्ण की तत्पश्चात दोनों भाई बहनों ने एनआईटी पटना से कंप्यूटर साइंस में बीटेक की उपाधि प्राप्त की और वर्तमान में हैदराबाद में सीनियर सश्फ्टवेयर इंजीनियर है। जहां श्री निलोत्पल सैनी डी ई शश्र कंपनी में है वही दिव्या अमेजश्न में कार्यरत है यह मूल रूप से राजस्थान के झुंझुनू जिले के उदयपुर तहसील के ग्राम किशोरपुरा के रहने वाले हैं वर्तमान में सीकर के राधाकिशनपुरा में रहते हैं इनके माता-पिता दोनों ही राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापक पद पर कार्यरत है पिता श्री सांवरमल सैनी ओर माता श्रीमती किरण सैनी है। हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है आप समाज और देश का नाम भविष्य में भी गौरवान्वित करेंगे ऐसा हमे विश्वास है।

# माली सैनी संदेश के आजीवन सदस्यता सूची

श्री रामचंद्र गोविंदराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश स्व. श्री बलदेवसिंह गहलोत,जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक ( पूर्वअध्यक्ष नगर पालिका) , पीपाड़
श्री बाबूलाल( पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका) , पीपाड़
श्री बंशीलाल मरोठिया, पीपाड़
श्री बाबूलाल पुत्र श्री दयाराम गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री हापुराम देवड़ा, मथानियां
श्री अमृतलाल पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार, जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार( पूर्व उपा., नगरपालिका, बालोतरा
श्री रमेशकुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत, बालोतरा
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा, बालोतरा
श्री वासुदेव पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, बालोतरा
श्री मेहश पुत्र श्री भगवानदास चौहान, बालोतरा
श्री हेमाराम पुत्र श्री रूपाराम पंवार, बालोतरा
श्री छगनलाल पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत, बालोतरा
श्री सोनाराम पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम पुत्र श्री पुनम सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्रकुमार पुत्र श्री अणदाराम पंवार, बालोतरा
श्री शंकरलाल पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार, बालोतरा
श्री घेवरचंद पुत्र श्री भोमजी पंवार, बालोतरा
श्री रामकरण पुत्र श्री किशनाराम माली, बालोतरा
श्री रतन पुत्र श्री देवजी परिहार, बालोतरा
श्री मोहनलाल पुत्र श्री रतनाजी परमार, बालोतरा
श्री कैलाश काबली( अध्यक्ष माली समाज) , पाली
श्री घीसाराम देवड़ा( मं. महामंत्री, भाजपा) , भोपालगढ़
श्री शेषाराम पुत्र श्री मांगीलाल टाक, पीपाड़
श्री बाबूलाल माली,( पूर्व सरपंच, महिलायास) सिवाणा
श्री रमेशकुमार सांखला, सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाह, लवेरा बावड़ी
संत श्री हजारीलाल गहलोत, जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत, जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी, जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी, जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार, डीसा
श्री हितेशभाई मोहनभाई पंवार, डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी, डीसा
श्री मगनलाल गीगाजी पंवार, डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा, डीसा
श्री नवीनचंद दलाजी गहलोत, डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार, डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार, डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा, डीसा
श्री सुखदेव वक्ताजी गहलोत, डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी, डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी, डीसा
श्री किशोरकमार सांखला, डीसा
श्री बाबूलाल गीगाजी टाक, डीसा
श्री देवचंद, रगाजी कच्छवाह, डीसा
श्री सतीशकुमार लक्ष्मीचंद सांखला, डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी, डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार, डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाह, डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाह, डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी, डीसा
श्री फूलाजी परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री अशोककुमार पुनमाजी सुंदेशा, डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार, जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र श्री बींजाराम गहलोत, जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत, जोधपुर
श्री जितेन्द पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छहा, जोधपुर
श्री सीताराम पुत्र श्री रावतमल सैनी, सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी, जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी, सर्वोदय सोसायटी, जोधपुर
श्री जयनाराण गहलोत, चौपासनी चारणान, मथानियां
श्री अशोककुमार, श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री मोहनलाल, श्री पुरखाराम परिहार, चौखा, जोधपुर
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी, चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कंपनी, भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी, भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार, राजस्थान फार्मेसिया, जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेण्ट, सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी, सोजतरोड़
श्री रामअकेला, पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा, देवड़ा मोटर्स, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला, सांखला सिमेंट, जोधपुर
श्री कस्तुरराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी, भीनमल
श्री सांवरराम परमार, भीनमाल
श्री भारतीराम परमार, भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार, भीनमाल
श्री डी. डी. पुत्र श्री भंवरलाल भाटी, जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार, जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत, जोधपुर
श्री समुन्दरसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार, जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी, आदमपुरा
श्री अशोक सांखला, पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला, जोधपुर
श्री नटवरलाल माली, जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार, जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी, जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी, जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर
श्री अमित पंवार, जोधपुर
श्री राकेशकुमार सांखला, जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत, जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी, जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाह, जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार, बालोतरा
श्री अरविंद सोलंकी, जोधपुर
श्री सुनील गहलोत, जोधपुर
श्री कृंदनकुमार पंवार, जोधपुर
श्री मनीष गहलोत, जोधपुर
श्री योगेश भाटी, अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा, बिलाड़ा
श्री प्रकाशचंद सांखला, ब्यावर
श्री झूमरलाल गहलोत, जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी, जोधपुर
श्री महावीर सिंह भाटी, जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा, जोधपुर
श्री अशोक टाक, जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत, सालावास, जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा, मध्य प्रदेश
श्री भंवरलाल देवड़ा, बावड़ी, जोधपुर
श्री जवाराराम परमार, रतनपुरा ( जालोर)
श्री रूड़ाराम परमार, सांचौर
श्री जगदीश सोलंकी, सांचौर
श्री कपूरचंद गहलोत, मुबंई
श्री टीकमचंद प्रभुराम परिहार, मथानिया
श्री अरूण गहलोत, गहलोत क्लासेज, जोधपुर
श्री विमलेश नेनाराम गहलोत, मेड़तासिटी ( नागौर)
श्री कैलाश ऊँकाराराम कच्छवाह, जोधपुर
माली ( सैनी) सेवा संस्थान सब्जी मण्डी, पीपाड़
श्री मदनलाल सांखला, बालरंवा
श्री भीकाराम खेतारा देवड़ा, कुड़ी फार्म, तिंवरी
श्री गणपतलाल सांखला, तिंवरी
श्री रामेश्वरलाल गहलोत, तिंवरी
श्री देवाराम हिरालाल माली, मुंबई,
श्री घनश्याम झूमरलाल टाक, खेजड़ला
श्री मिश्रीलाल जयनारायण कच्छवाहा, चौखा, जोधपुर
अखिल भारतीय माली ( सैनी) सेवा सदन, पुष्कर

## विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करने वाले समाज के सभी वर्गो को माली सैनी संदेश की ओर से हार्दिक बधाई

देवड़ा मोटर्स के श्री नरेश देवड़ा को मारुति सर्विस सेंटर में अतुलनीय और उत्कृष्ट सेवा प्रदान कर देश की टॉप 10 सर्विस सेंटर में लिस्टेड होने पर हार्दिक बधाई एवं

समाज गौरव

**डॉ ए. के. गहलोत**

(Ex. Vice Chancellor RAJUVAS, Bikaner) को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा RAC CHAIRMAN पद पर नियुक्ति होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें।

श्री सुगनाराम पुत्र श्री बुधाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री पारसराम पुत्र श्री जयसिंह सोलंकी, जोधपुर
श्री रूपचंद पुत्र श्री भंवरलाल मरोठिया, पुष्कर
श्री धनाराम पुत्र श्री जुगाराम गहलोत,सालावास, जोधपुर
श्री कृपाराम पुत्र श्री आईदान सिंह परिहार,
चीखा,जोधपुर सरपंच श्री रामकिशोर पुत्र श्री हप्पाराम टाक, बालरवां
श्रीमती अंजू(पं.समिति सदस्य), सुपुत्री श्री ढ़लाराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री केवलराम पुत्र श्री शिवराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री रामेश्वर पुत्र श्री सवाई राम परिहार, मथानियां
सरपंच श्रीमती मिनाक्षी पत्नी श्री चद्रसिंह देवड़ा, मथानियां
सरपंच श्रीमती गुड्डी पत्नी श्री खेताराम परिहार, तिंवरी
श्री अचलसिंह पुत्र श्री रूपाराम गहलोत, तिंवरी
श्रीमती रेखा(उप प्रधान) पत्नी श्री संजय परिहार, मथानियां
श्री चेनाराम पुत्र श्री माणकराम देवड़ा, मथानियां
श्री अरविंद पुत्र श्री भंवरलाल सांखला, मथानियां
श्री उम्मेद सिंह टाक पुत्र स्व. सेठ श्री कनीराम टाक, जोधपुर
श्री गिरधारीराम पुत्र श्री राजुराम कच्छवाहा, खींवसर
श्री देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह गहलोत
श्री मदनलाल (ग्राम सेवक) पुत्र श्री सोमाराम गहलोत, मथानियां
श्री लिखमाराम सांखला पुत्र श्री छोटूराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
सरपंच श्रीमती संजू पत्नी श्री हुकमाराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
श्री श्यामलाल पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, मथानियां त. तिंवरी
श्री खेताराम सोलंकी, लक्ष्मी स्टोन कटिंग, पीपाड़ शहर
श्री गोबरराम पुत्र श्री हरीराम कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री शंभु पुत्र श्री मूलचंद गहलोत, अजमेर
श्री रामनिवास पुत्र श्री पुनाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धर्माराम सोलंकी, सोलंकी खाद बीज, जोधपुर
श्री धनराज पुत्र श्री राणाराम सोलंकी, पीपाड़ शहर
श्री संपतराज पुत्र श्री बाबूलाल सैनी, पीपाड़ शहर
सी. ए. श्री महेश पुत्र श्री आनंदीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमान सिंह गहलोत, हनुमान टेंट हाऊस, जोधपुर
श्री मर्यक पुत्र श्री दीनदयाल देवड़ा, जोधपुर
श्री नित्यानंद पुत्र श्री धनसिंह सांखला, जोधपुर
श्री महेश पुत्र श्री अमरसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री कैलाश पुत्र श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर,
श्री भारतसिंह पुत्र श्री लिखमाराम कच्छवाहा, जोधपुर
श्री संदीप पुत्र श्री नृसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री धमेन्द्र पुत्र श्री संतोष सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री निर्मल सिंह (एस.ई.)पुत्र श्री भजनसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह कच्छवाहा(चैयरमेन, पीपाड़) पुत्र श्री पुखराज कच्छवाहा, पीपाड़
श्री अमृतलाल टाक पुत्र श्री चेनाराम टाक, बुंचकला, पीपाड़
श्री चंदरतन पुत्र श्री माणकचंद सांखला, बीकानेर
श्री कमलेश पुत्र श्री मुल्तान सिंह कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री सहीराम पुत्र श्री हिन्दुराम गहलोत, पीपाड़ शहर
श्री मनमोहन पुत्र श्री मनोहर सिंह सांखला, जोधपुर
श्रीमती कमला धर्मपत्नी श्री रमेशचंद्र माली, जोधपुर
श्री दशरथ पुत्र श्री विशन सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राजकुमार पुत्र श्री रतनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री मेवाराम पुत्र स्व. श्री नारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री हरीराम सोलंकी, जोधपुर
डॉ. हिरालाल पुत्र श्री मादुराम पंवार, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री किशनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री धरमाराम भाटी, अध्यक्ष क्षत्रिय माली समाज माधपुर (तमिलनाडु)
श्री राहुल भाटी सुपुत्र श्री जितेन्द्रसिंह भाटी, जोधपुर
श्री किसनाराम देवड़ा, श्री जी एन्टरप्राइजेज, जोधपुर
श्री (इंजि.)तेजप्रताप पुत्र श्री मंगलसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अभय सिंह पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र श्री आनंदसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री नेपाराम देवड़ा, बालरवां, तिंवरी
श्री अमृत सांखला, फ्यूचर प्लस क्लासेज, जोधपुर
श्री चेतन देवड़ा पुत्र स्व. श्री मानसिंह देवड़ा, जोधपुर
श्री अरविंद गहलोत (पार्षद) पुत्र श्री मांगलाल गहलोत, जोधपुर
सीए श्री अर्जुन पुत्र श्री कांतिलाल परिहार, बाली, पाली
श्री पप्पूराम पुत्र श्री रामचंद्र गहलोत, चीखा, जोधपुर
डॉ. श्री महेन्द्र भाटी 'विकास', रायपुर, पाली
श्री रोहित पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री रामेश्वर सिंह पुत्र स्व. लाल सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जगन्नाथ सिंह पुत्र श्री मेघसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हुक्माराम भाटी पुत्र श्री सुखदेवराम भाटी, जोधपुर
श्री श्याम लाल पुत्र श्री बुद्धाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री रामकिशन माली, करौली
श्री चेतन सिंह पुत्र श्री संतोकसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री लुंबाराम देवड़ा, जगदम्बा पब्लिक स्कूल, जोधपुर
श्री विकास कच्छवाहा पुत्र श्री नरेन्द्रसिंह, जोधपुर
श्री कानाराम सांखला, कानजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री कुशाल राम सांखला, रामजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री मुकेश टाक पुत्र श्री हरीसिंह टाक, जोधपुर
श्री अरविंद पुत्र श्री आनंदप्रकाश गहलोत, जोधपुर
श्री आनंदसिंह पुत्र श्री जगदीश सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जयंत सांखला,आर.एस.एन.विद्याश्रम, जोधपुर
श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री मोहनलाल कच्छवा, अजमेर

# माली सैनी सन्देश

## घर बैठे माली सैनी संदेश मंगाने के लिए भर कर भेजें

## सदस्यता फार्म

दिनांक _____

माली सैनी संदेश पत्रिका देश के प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों के साथ ही ग्रामिण क्षेत्रों में माली सैनी समाज के लोगों की जानकारियां आपको विगत 15 वर्षों से हर माह पहुंचाकर समाज के विभिन्न वर्गों में हो रहे समाज उत्थान एवं शिक्षा तथा अन्य क्षेत्र के विकास कार्यों की जानकारी प्रदान कर रहा है। समय समय पर समाज के विभिन्न आयोजनों की भी विस्तृत जानकारी पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से सभी को उपलब्ध कराई जा रही है। यहीं नहीं देश के बाहर विदेशों में रह रहे समाज बंधुओं को भी समाज की संपूर्ण जानकारी वेब-साईट के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है। समाज की प्रथम ई-पत्रिका होने का गौरव भी आप सभी के सहयोग से हमें ही मिला है।

हमारी वेबसाईट www.malisaini.org में समाज के सभी वर्गों की विस्तृत जानकारियां उपलब्ध है एवं www.malisainisandesh.com में हमारी मासिक ई पत्रिका के वर्तमान एवं पूर्व के अंकों का खजाना आपके लिए हर समय उपलब्ध है। आप हमें फे-टी.एम. से मोबाईल नंबर 9414475464 पर भी सदस्यता शुल्क भेज पत्रिका प्राप्त कर सकते है।

**डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका भेजने के लिए डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मनीआर्डर माली सैनी संदेश के नाम से भेज रहा हूं।**

सदस्यता राशि

| दो वर्ष रू 400/- | पांच वर्ष रू 900/- | आजीवन रू 3100/- |
|---|---|---|

नाम/संस्था का नाम _____

पता _____

फोन /मोबाईल _____ ई-मेल _____

ग्राम _____ पोस्ट _____ तहसील _____

जिला _____ पिनकोड _____

राशि (रूपये) _____ बैंक का नाम _____

डिमाण्ड ड्राफ्ट/मनीआर्डर क्रमांक _____ (डीडी/एमओ माली सैनी संदेश के नाम से भेजें)

**अतः मुझे/हमें भी अंग्राकित पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका डाक द्वारा भेजें।**

दिनांक _____

हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखें :- प्रभार प्रभारी

3, जवरी भवन, भैरूबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्प्लेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर (राज.)

**Mobile : 94144 75464 Visit us at : www.malisainisandesh.com**
**www.malisaini.org. E-mail :malisainisandesh@gmail.com; editor@malisaini.org**

## ही क्यों ?

### क्योंकि ?

**हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई. सहित पांच हजार पाठकों का विशाल संसार**

### क्योंकि ?

**हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।**

## हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ
यह सज़ावी है आपके ब्राण्ड को पूरे
देश ही नहीं विदेशों में भी

### RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

| | |
|---|---|
| Back Cover | 10,000/- |
| Inside Cover | 5,000/- |

BLACK

| | |
|---|---|
| Full Page | 2,500/- |
| Half Page | 1,500/- |
| Quarter Page | 1,000/- |

write us : P. O. Box 09, Jodhpur
Cell : 94144 75464,

log on : www.malisainisandesh.com

e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

कार्यालय : 3, जवरी भवन, भैरूबाग मंदिर के सामने, महावीर कॉम्प्लेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर (राज.)

# विभिन्न सामूहिक विवाह कार्यक्रमों की झलकियां

Postal Regd No. Jodhpur/463/2017-19

# हार्दिक बधाई

## माली समाज गौरव

# श्री राजीव सातव

**गुजरात कांग्रेस प्रभारी, पूर्व सांसद और महाराष्ट्र चुनाव के प्रभारी, भारतीय राष्ट्रीय युवा कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष को महाराष्ट्र से राज्यसभा के लिए निर्विरोध सांसद निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं**

स्वत्वाधिकारी संपादक / मालिक / प्रकाशक / मुद्रक
मनीष गहलोत के लिए भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाउस
सेक्टर-7, जोधपुर से छपवाकर माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर (राजस्थान) से प्रकाशित
फोन : 9414475464
ई-मेल - malisainisandesh@gmail.com
पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR